मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 296
शनिवार, 16 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

भारत-यूएई रक्षा साझेदारी से दुनियाभर में हड़कंप

भारत हर परिस्थिति में संयुक्त अरब अमीरात के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 15 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज संयुक्त अरब अमीरात की संक्षिप्त लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने पर जोर दिया। अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नहयान के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच रणनीतिक सहयोग का महत्व और अधिक बढ़ गया है। उन्होंने जनवरी में राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद की भारत यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देशों ने संबंधों को गुणात्मक रूप से नई ऊंचाई पर ले जाने का निर्णय लिया था और कम समय में ही उल्लेखनीय प्रगति हासिल की गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव और संघर्ष पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि संवाद और कूटनीति ही किसी भी विवाद का सर्वोत्तम समाधान है। इस दौरान उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को मुक्त, खुला और सुरक्षित बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया तथा अंतरराष्ट्रीय कानूनों के सम्मान की बात कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हर परिस्थिति में संयुक्त अरब अमीरात के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता बहाल करने के लिए हर संभव सहयोग देगा।

वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने हाल के दिनों में संयुक्त अरब अमीरात पर हुए हमलों की कड़ी निंदा भी की। उन्होंने कहा कि किसी भी रूप में अमीरात को निशाना

बनाया जाना स्वीकार्य नहीं है। प्रधानमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात के नेतृत्व द्वारा राष्ट्रीय एकता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने के लिए उठाए गए कदमों की सराहना की। साथ ही उन्होंने वहां रह रहे भारतीय समुदाय को कठिन समय में सहयोग देने के लिए अमीरात सरकार और शाही परिवार का आभार जताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात में भारतीयों को परिवार के सदस्य की तरह सम्मान और सुरक्षा मिलती है।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के दौरान भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच रक्षा, ऊर्जा और निवेश से जुड़े कई महत्वपूर्ण समझौते भी हुए। दोनों देशों ने रणनीतिक रक्षा साझेदारी के ढांचे पर सहमति जताई। इसके अलावा रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस आपूर्ति तथा वाडीनार में जहाज मरम्मत केंद्र स्थापित करने से संबंधित समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इस यात्रा के दौरान भारतीय आधारभूत ढांचा परियोजनाओं, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में लगभग पांच अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणाएं भी की गईं।

ऊर्जा सुरक्षा इस यात्रा का प्रमुख विषय रही। अधिकारियों के अनुसार संयुक्त अरब अमीरात भारत की ऊर्जा जरूरतों का एक महत्वपूर्ण भाग पूरा करता है। पिछले वर्ष भारत के कच्चे तेल आयात का लगभग ग्यारह प्रतिशत हिस्सा संयुक्त अरब अमीरात से आया था। इसके साथ ही यह भारत के लिए द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है और भारत की लगभग चालीस प्रतिशत आवश्यकता पूरी करता है।

पीएम मोदी की गलती, जनता चुकाएगी कीमत: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 15 मई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच ईंधन की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिम्मेदार ठहराया और जनता के कल्याण के लिए दृढ़ रुख अपनाया। पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की गलतियों का खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है और दावा किया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी, जिसे उन्होंने वसूली करार दिया, किश्तों में की जाएगी।

राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार की गलती, जनता को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। ?3 का झटका पहले ही लग चुका है। बाकी की वसूली किश्तों में की जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि ईंधन संकट के साथ-साथ भारत में आर्थिक संकट की बड़ी वजह मोदी सरकार में नेतृत्व का संकट तथा दूरदर्शी सोच का अभाव है। खरगे ने कहा, जनता

को यह समझना होगा कि इस समय अंतरराष्ट्रीय ईंधन संकट के साथ-साथ भारत में आर्थिक संकट की बड़ी वजह मोदी सरकार में नेतृत्व का संकट तथा दूरदर्शी सोच का अभाव है और अक्षमता कूट-कूट कर भरी है।

उन्होंने दावा किया कि यह संकट मोदी सरकार द्वारा पैदा किया गया है, जिसका खामियाजा देश की जनता को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी पर अपनी जेब से भरना पड़ रहा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत कम थी तो मोदी सरकार ने उपभोक्ताओं को राहत देने के बजाय उन्हें लूटा। सरकारी तेल कंपनियों ने चार वर्षों के लंबे अंतराल के बाद शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संशोधन करते हुए दोनों ईंधनों के दाम में तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, वर्षों तक जब अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें कम थीं या गिर रही थीं, तब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस लगातार यह मांग करती रही कि उसका लाभ भारतीय उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाए और गैस, पेट्रोल तथा डीजल की घरेलू कीमतों में कमी की जाए। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और उपभोक्ताओं को लूटा गया।

ब्राह्मण अपमान पर मायावती का सपा पर हमला

लखनऊ, 15 मई। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की प्रमुख और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रवक्ता राजकुमार भाटी द्वारा ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे ने व्यापक आक्रोश पैदा किया है और एसपी नेतृत्व से इसे गंभीरता से लेने का आग्रह किया। पर एक पोस्ट में मायावती ने इन टिप्पणियों को अशोभनीय, और आपत्तिजनक बताते हुए कहा कि इनसे ब्राह्मण समुदाय की गरिमा और आत्मसम्मान को ठेस पहुंची है।

मायावती ने आगे कहा कि समाजवादी पार्टी (एसपी) के एक प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ता द्वारा ब्राह्मण समुदाय के बारे में हाल ही में की गई अशोभनीय, अशोभनीय और आपत्तिजनक टिप्पणियों और बयानों ने स्वाभाविक रूप से व्यापक

आक्रोश और कड़ी निंदा को जन्म दिया है। इस विवाद के परिणामस्वरूप पुलिस मामला दर्ज होने के बावजूद, मामला शांत होने के कोई संकेत नहीं दिखा रहा है। हालांकि, एसपी नेतृत्व की संकीर्ण जाति-आधारित राजनीति को देखते हुए इस मुद्दे पर चुप्पी ने मामले को और भी गंभीर बना दिया है और इसे काफी हद तक बढ़ने दिया है। स्थिति भी लगातार तनावपूर्ण होती जा रही है। मायावती ने आगे जोर देते हुए कहा कि किसी भी सूरत में, सपा प्रवक्ता के गैर-जिम्मेदाराना बयानों से ब्राह्मण समुदाय की गरिमा, सम्मान और आत्मसम्मान को ठेस पहुंची है, इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सपा प्रमुख को तुरंत इसका संज्ञान लेना चाहिए, ब्राह्मण समुदाय से माफी मांगनी चाहिए और खेद व्यक्त करना चाहिए झ यही उचित कार्रवाई होगी। बसपा संगठन की नेता ने यह भी कहा कि इस विवाद से सपा की जातिवादी रणनीति और चरित्र उजागर होता है, और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बसपा ने हमेशा ब्राह्मणों, दलितों, अति पिछड़े वर्गों और मुसलमानों सहित सभी समुदायों का सम्मान किया है।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा, यह ताजा घटनाक्रम जनता की नजर में यह भी साबित करता है कि सपा की जातिवादी रणनीति और चरित्र झ विशेष रूप से ब्राह्मण समुदाय के प्रति उसका विरोध, ठीक उसी तरह जैसे दलितों, अति पिछड़े वर्गों, मुस्लिम समुदाय और अन्य समुदायों के प्रति उसका रवैया नहीं बदला है; बल्कि, यह और भी गहरा गया है।

NEET Paper Leak पर सीबीआई का बड़ा एक्शन, पुणे से सरगना कुलकर्णी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 15 मई। सीबीआई ने NEET-UG 2026 परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक के सरगना की पहचान कर ली है। सीबीआई ने बताया कि जांच में पता चला है कि एनटीए की ओर से परीक्षा प्रक्रिया में शामिल रसायन विज्ञान के लेक्चरर पी.वी. कुलकर्णी के पास प्रश्नपत्रों की पहुंच थी। अप्रैल 2026 के अंतिम सप्ताह में, उन्होंने एक अन्य आरोपी मनीषा वाघमारे (जिसे सीबीआई ने 14 मई 2026 को गिरफ्तार किया था) की मदद से छात्रों को संगठित किया और पुणे स्थित अपने आवास पर इन छात्रों के लिए विशेष कोचिंग कक्षाएं आयोजित कीं।

सीबीआई के मुताबिक इन विशेष कोचिंग कक्षाओं के दौरान उन्होंने प्रश्न, विकल्प और सही उत्तर लिखवाए। छात्रों ने इन प्रश्नों को अपनी नोटबुक में हाथ से लिखा और ये प्रश्न 3 मई 2026 को आयोजित NEET-UG 2026 परीक्षा के वास्तविक प्रश्नपत्र से हूबहू मेल खाते हैं। सीबीआई ने बताया कि कल तक जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे और अहिलियानगर से 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें से 5 आरोपियों को पहले ही अदालत में पेश किया जा चुका है और विस्तृत पूछताछ के लिए उन्हें 7 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। कल गिरफ्तार किए गए अन्य 2 आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड के लिए पुणे की अदालत में पेश किया जा रहा है और उन्हें दिल्ली की अदालत में स्थानांतरित किया जा रहा है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में शुक्रवार को महाराष्ट्र के लातूर शहर के एक प्रमुख कोचिंग सेंटर के निदेशक से पूछताछ की। अधिकारियों ने यह

जानकारी दी। सीबीआई की एक टीम राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच के तहत बृहस्पतिवार रात और फिर शुक्रवार तड़के शिवनगर क्षेत्र में स्थित ओमकार रेजिडेंसी में रेनुकाई केमिस्ट्री क्लासेज (आरसीसी) के निदेशक शिवराज मोटेगांवकर के आवास पर गई। सीबीआई की एक टीम इस समय लातूर में डेरा डाले हुए है और इसमें 28 सदस्य हैं।

मीडिया कर्मियों ने शुक्रवार अपराह्न करीब 12:30 बजे मोटेगांवकर के घर से बाहर निकल रहे सीबीआई के एक अधिकारी से जांच के बारे में पूछा, तो उन्होंने जवाब देने से इनकार कर दिया। सीबीआई की टीम बुधवार को लातूर पहुंची और प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच के सिलसिले में स्थानीय कॉलेज में रसायन विज्ञान पढ़ाने वाले सेवानिवृत्त शिक्षक पी.वी. कुलकर्णी को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने बताया कि कुलकर्णी चार साल पहले एक प्रतिष्ठित कॉलेज से सेवानिवृत्त हुए थे और नीट के लिए रसायन विज्ञान विषय के प्रश्नपत्र तैयार करने वाली समिति में शामिल थे। चिकित्सा महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तीन मई को नीट-यूजी 2026 आयोजित की गई थी, लेकिन प्रश्नपत्र लीक के आरोपों के बाद परीक्षा 12 मई को रद्द कर दी गई।

ट्रक की चपेट में आने से 3 बाइक सवारों की मौत

सिंहभूम। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में शुक्रवार शाम एक दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, पीड़ित मोटरसाइकिल पर यात्रा कर रहे थे, तभी चक्रधरपुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत चक्रधरपुर-सोनुआ सड़क पर एक निजी स्कूल के पास एक बस को ओवरटेक करने की कोशिश करते समय मोटरसाइकिल चालक ने कथित तौर पर वाहन से नियंत्रण खो दिया।

उन्होंने बताया कि मोटरसाइकिल तेज रफ्तार बस के नीचे आ गयी, जिससे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो

गया।

अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को चक्रधरपुर स्थित उपमंडल अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बढ़ते कच्चे तेल दाम का असर: सुप्रीम कोर्ट में वर्चुअल सुनवाई

नई दिल्ली, 15 मई। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जून और जुलाई में आंशिक कार्यदिवसों के दौरान सोमवार और शुक्रवार को अनिवार्य रूप से वर्चुअल सुनवाई का आदेश दिया, साथ ही पश्चिम एशिया में लंबे समय से चल रहे भू-राजनीतिक संकट से उत्पन्न ईंधन संरक्षण संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए अपने रजिस्ट्री कर्मचारियों में से 50% तक को सप्ताह में दो बार घर से काम करने की अनुमति दी। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने ईंधन की खपत कम करने के लिए कारपूलिंग करने का भी निर्णय लिया है। शुक्रवार सुबह पूर्ण न्यायालय की बैठक के बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत के निर्देश पर लिया गया यह कदम वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र वृद्धि और भारत की बढ़ती ऊर्जा संबंधी चिंताओं के मद्देनजर उठाया

गया है। सर्वोच्च न्यायालय के महासचिव भरत पाराशर द्वारा शुक्रवार को जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि विविध दिनों सोमवार, शुक्रवार या ऐसे अन्य दिनों जिन्हें विविध दिन घोषित किया गया है। सूचीबद्ध सभी मामलों के साथ-साथ न्यायालय के आंशिक कार्य दिवसों के दौरान सूचीबद्ध मामलों की सुनवाई केवल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की जाएगी।

परिपत्र में कहा गया है कि रजिस्ट्री को स्थिर वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएं और समय पर तकनीकी सहायता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है, ताकि माननीय न्यायालय को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाया जा सके। परिपत्र में यह भी कहा गया है कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने ईंधन का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए आपस में कार-पूलिंग व्यवस्था को प्रोत्साहित करने का सर्वसम्मति से संकल्प लिया है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L.T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

कब तक दोहराई जाती रहेंगी निर्भया जैसी त्रासदियां?

-ललित गर्ग

दिल्ली के नांगलोई में एक निजी बस के भीतर महिला के साथ हुई बस कंडक्टर एवं ड्राइवर के दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर पूरे देश की चेतना को झकझोर दिया है। यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि उस भयावह सामाजिक और प्रशासनिक विफलता का आईना है, जो वर्षों से हमारे सामने खड़ी है। चौदह वर्ष पहले निर्भया कांड के बाद देश की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा था। लोगों ने सोचा था कि अब व्यवस्था बदलेगी, कानून सख्त होंगे, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और समाज अपनी सोच बदलेगा। लेकिन आज जब उसी प्रकार की घटनाएं पुनः पुनः सामने आती हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा होकर उठता है कि आखिर हम बदले कहां हैं? सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? इसका उत्तर केवल कानून की कमजोरी में नहीं, बल्कि समाज की उस विकृत मानसिकता में छिपा है, जहां महिला को आज भी बराबरी के सम्मान के साथ नहीं देखा जाता। आधुनिकता के चमकदार दावों के बीच भी पुरुष प्रधान सोच का अंधेरा जस का तस मौजूद है। महिलाओं को व्यक्ति नहीं, बल्कि उपभोग की वस्तु मानने वाली सोच आज भी अनेक मन-मस्तिष्कों में गहराई तक बैठी हुई है। यही कारण है कि सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों, स्कूल-कॉलेजों और यहां तक कि घरों के भीतर भी महिलाएं असुरक्षा का अनुभव करती हैं।

विडंबना यह है कि विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के इस दौर में भी समाज स्त्री के सम्मान और सुरक्षा के बुनियादी संस्कार विकसित नहीं कर पाया। बच्चों को शिक्षा तो दी जा रही है, लेकिन संवेदनाएं नहीं दी जा रहीं। घरों में बेटियों पर नियंत्रण और बेटों को छूट देने वाली मानसिकता आज भी कायम है। एक ओर लड़कियों को ह्रसावधान रहनेह्व की नसीहत दी जाती है, दूसरी ओर लड़कों को अपने व्यवहार और दृष्टि की मर्यादा सिखाने की गंभीर कोशिश बहुत कम दिखाई देती है। यही असंतुलन आगे चलकर अपराधों की जमीन तैयार करता है। प्रश्न यह भी है कि प्रशासन बार-बार ऐसी घटनाओं को रोकने में नाकाम क्यों हो रहा है? निर्भया कांड के बाद महिला सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे। सीसीटीवी कैमरे, महिला हेल्पलाइन, फास्ट ट्रैक कोर्ट, पुलिस गश्त और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा उपायों की लंबी घोषणाएं हुईं। लेकिन वास्तविकता यह है कि इन व्यवस्थाओं का बड़ा हिस्सा कागजों और भाषणों तक सीमित रह गया। निजी बसें आज भी बिना पर्याप्त निगरानी के चल रही हैं। कई स्थानों पर चालक और परिचालकों का समुचित सत्यापन तक नहीं होता। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन अक्सर केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है।

दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी ऐसा ही हो रहा है, बालिकाओं की स्थिति, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर महिलाएं एवं बालिकाएं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा?

सच्चाई यह है कि हमारी व्यवस्था अपराध होने के बाद सक्रिय होती है, अपराध रोकने के लिये नहीं। हर बार घटना के बाद गिरफ्तारी, जांच और बयानबाजी होती है, लेकिन अपराध की जड़ों तक पहुंचने की गंभीर पहल नहीं दिखाई देती। राजनीतिक दल कुछ दिनों तक आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, मीडिया में बहस चलती है और फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य मान लिया जाता है। लेकिन जिन परिवारों की बेटियां इस अमानवीयता का शिकार होती हैं, उनके जीवन में भय, पीड़ा और असुरक्षा स्थायी घाव बनकर रह जाते हैं। यह भी विचारणीय है कि आखिर महिलाएं और बालिकाएं बार-बार ऐसे अत्याचारों का शिकार क्यों बन रही हैं? इसका कारण केवल अपराधियों की क्रूरता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता भी है। सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सामूहिक जिम्मेदारी का अभाव दिखाई देता है। लोग तमाशबीन बन जाते हैं। कई बार पीड़िता को ही कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है-उसके कपड़े, समय, जीवनशैली और व्यवहार पर सवाल उठाए जाते हैं। यह मानसिकता अपराधियों का मनोबल बढ़ाती है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि समाज पूरी तरह पीड़िता के साथ खड़ा नहीं होगा। कब तक महिलाएं अपने ही शहरों, बसों, गलियों और कार्यस्थलों में भय के साथ जीती रहेंगी? कब तक माता-पिता अपनी बेटियों के घर लौटने तक चिंता में डूबे रहेंगे? यह प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की आत्मा का प्रश्न है। जिस समाज में आधी आबादी स्वयं को सुरक्षित महसूस न करे, वह समाज वास्तव में सभ्य नहीं कहलाया जा सकता।

आज आवश्यकता केवल कठोर कानूनों की नहीं, बल्कि कठोर सामाजिक आत्ममंथन की है। कानून अपराधी को दंड दे सकता है, लेकिन समाज ही मानसिकता बदल सकता है। स्कूलों और परिवारों में लैंगिक संवेदनशीलता की शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए। बेटियों को भय में जीना नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक जीना सिखाना होगा। फिल्मों, सोशल मीडिया और विज्ञापनों में स्त्री की वस्तुवादी छवि पर भी गंभीर विमर्श जरूरी है, क्योंकि संस्कृति और मनोरंजन भी समाज की सोच को प्रभावित करते हैं। प्रशासन को भी केवल घटनाओं के बाद की कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन में रियल-टाइम जीपीएस, सीसीटीवी, पैनिक बटन और नियमित निगरानी को पूरी कठोरता से लागू करना होगा। निजी परिवहन संचालकों और कर्मचारियों का गहन सत्यापन अनिवार्य किया जाना चाहिए। पुलिस व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और सक्रिय बनाना होगा। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि समाज को यह समझना होगा कि महिला सुरक्षा कोई ह्रमहिला मुद्दाह्व नहीं, बल्कि मानवता और सभ्यता का प्रश्न है। जब तक स्त्री को समान सम्मान, स्वतंत्रता और सुरक्षा नहीं मिलेगी, तब तक विकास के सारे दावे अधूरे रहेंगे।

नांगलोई की यह घटना केवल एक समाचार नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यदि अब भी हम नहीं जागे, तो निर्भया जैसी त्रासदियां बार-बार हमारे सामने आती रहेंगी और हर बार हमारी संवेदनहीनता, हमारी प्रशासनिक विफलता और हमारी विकृत मानसिकता हमें कठघरे में खड़ा करती रहेगी। प्रश्न यही है- आखिर कब तक? तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के बावजूद भारत में भी बालिकाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजाहिर हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करे और किससे शादी करें, सह-शिक्षा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत बालिकाओं को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है, उन पर तरह-तरह की बंदिशें एवं पहरे लगाये जा रहे हैं। यत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे भोग की वस्तु समझकर आदमी अपने तरीके से इस्तेमाल कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। आज अनेक शक्लों में नारी के वजूद को धुंधलाने की घटनाएं शक्ल बदल-बदल कर काले अध्याय रच रही है। देश में गैंग रेप की वारदातों में कमी भले ही आयी हो, लेकिन उन घटनाओं का रह-रह कर सामने आना त्रासद एवं दुःखद है।

महंगाई की मार , जनता लाचार

अशोक भाटिया

मई 2026 में भारत में थोक महंगाई दर (WPI) बढ़कर 8।30% के उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जिसने 42 महीने का रिकॉर्ड तोड़ा है। रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल और सब्जियों की बढ़ती कीमतों ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। खाद्य पदार्थों में बेतहाशा वृद्धि से घरेलू बजट पूरी तरह से बिगड़ गया है, जिससे आम आदमी परेशान है।

गौरतलब है कि पश्चिम एशिया संकट के बीच जिसका डर था वो हो गया। उसके बाद महंगाई डायन ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। आम आदमी पर दूध के बाद अब सीएनजी और पेट्रोल-डीजल वाली महंगाई की मार पड़ी है। जी हां, ईंधन संकट की आहट के बीच अब पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की कीमतों में बड़ा इजाफा हो गया है। जिस बात को लेकर आशंका जताई जा रही थी, वह शुक्रवार को सच हो गया। पेट्रोल-डीजल के दाम में करीब तीन रुपए से अधिक की बढ़ोतरी हो गई है। वहीं, सीएनजी के दाम भी बढ़ गए हैं। जी हां, महंगाई से जूझ रहे आम आदमी को पिछले 48 घंटे में एक के बाद एक तीन बड़े झटके लगे हैं। पहले दूध के दाम बढ़े, फिर मुंबई में CNG महंगी हुई और अब पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो गई है। इतना ही नहीं, अब देशभर में भी सीएनजी के दाम में दो रुपए की बढ़ोतरी हो गई है। लगातार बढ़ती कीमतों ने घर के बजट पर नया दबाव डाल दिया है। रसोई से लेकर सफर तक हर चीज महंगी होती नजर आ रही है, जिससे लोगों की चिंता बढ़ गई है। आज पेट्रोल 3।14 प्रति लीटर महंगा होकर 97।77 तक पहुंच गया है, जबकि डीजल ?3।11 प्रति लीटर बढ़कर 90।67 हो गया है।

दरअसल ईरान जंग का असर पूरी दुनिया में दिख रहा है। भारत में महंगाई भी उसी का असर है। सबसे पहले परसों यानी बुधवार को दूध महंगा हुआ था। उसके ठीक बाद कल यानी गुरुवार को मुंबई में उठत्र के दाम बढ़ गए। अब आज यानी शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल के रेट भी बढ़ गए हैं। इस तरह महज 48 घंटे में तीन बड़े झटके लगने से घरेलू बजट बिगड़ गया है। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ेंगे, इसकी आशंका जताई जा रही थी। खुद सरकार भी इसे मान रही थी। तभी तो पीएम मोदी ने पेट्रोल-डीजल बचाने की लोगों से अपील की थी। वह खुद भी कम गाड़ियों वाले काफिले से चल रहे हैं। ऐसे में अब आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ना तय है।

पहला झटका तब लगा जब दूध कंपनियों ने कीमतों में इजाफा किया। अमूल, मदर डेयरी समेत कई बड़े ब्रांड्स ने दूध के दाम प्रति लीटर 2 रुपये तक बढ़ा दिए हैं। कंपनियों का कहना है कि पशुओं के चारे, ट्रांसपोर्ट और उत्पादन लागत बढ़ने की वजह से यह फैसला लेना पड़ा। लेकिन इसका सीधा असर आम परिवारों पर पड़ रहा है। दूध हर घर की जरूरत है और इसकी कीमत बढ़ने से चाय, दही, घी और मिठाई जैसी चीजें भी महंगी हो सकती हैं।

दूध की कीमत बढ़ने के बाद अब CNG के दाम भी बढ़ा दिए गए। पहले मुंबई में सीएनजी महंगी हुई, अब देशभर में हो गई है। एमजीएल यानी मुंबई गैस लिमिटेड ने उठत्र कीमत 2 रुपये बढ़ाकर 84 रुपये किलो कर दी। अब तो देश में 2 रुपए किलो सीएनजी महंगी हो गई। इसके बाद CNGसे चलने वाले ऑटो, टैक्सी और निजी वाहनों का खर्च बढ़ गया है। माना जा रहा है कि इसका असर जल्द ही लोकल ट्रांसपोर्ट के किराए पर भी दिख सकता है। रोजाना सफर करने वाले लाखों लोगों के लिए यह बढ़ोतरी परेशानी बढ़ाने वाली है।

तीसरा झटका और सबसे तगड़ा झटका तब लगा जब अब पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। तेल कंपनियों की ओर से जारी नई कीमतों के बाद कई शहरों में पेट्रोल और डीजल महंगे हो गए हैं। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने का असर सिर्फ वाहन चलाने वालों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर हर चीज पर पड़ता है। ट्रांसपोर्ट महंगा होने से सब्जियों, राशन और रोजमर्रा के सामान की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।

हालांकि, पेट्रोल-डीजल के दाम में अभी और बढ़ोतरी होने की आशंका थी कारण कि पश्चिम एशिया और होर्मुज का संकट टला नहीं है। अगर पश्चिम एशिया में स्थिति ऐसी ही रही तो आगे और बढ़ोतरी हो सकती है। पेट्रोल-डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्ट का खर्चा बढ़ेगा, जिससे सब्जी, फल, अनाज जैसी रोजमर्रा की चीजें भी महंगी हो जाएंगी। डीजल पर निर्भर ट्रक, बस और ट्रैक्टर प्रभावित होंगे। बढ़ती महंगाई खासतौर पर मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा लोगों के लिए यह स्थिति मुश्किल पैदा कर रही है।

सरकार और कंपनियों की ओर से बढ़ी कीमतों के पीछे अंतरराष्ट्रीय बाजार, कच्चे तेल की कीमत और बढ़ती लागत को वजह बताया जा रहा है। तेल कंपनियां पश्चिम एशिया संकट के कारण घाटे में चल रही है। होर्मुज बंद होने से सप्लाई चेन प्रभावित हो गया है। इस वजह से दाम बढ़े हैं। लेकिन आम लोगों के लिए इससे राहत की कोई खबर फिलहाल नजर नहीं आ रही। अब लोगों के मन में सवाल है कि क्या अब एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ेंगे? इसके अलावा शायद ही कोई ऐसी वस्तु हो, जो महंगाई के दायरे से बाहर नजर आ रही हो। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस के अलावा खाने-पीने के सामान से लेकर फल-सब्जियां तक महंगा हो गयी है। इसका सबसे ज्यादा असर मध्यवर्ग से लेकर गरीब तबके तक पर साफ नजर आ रहा है। हालात जिस तरह के बने हुए हैं उससे तो लगता नहीं कि हाल-फिलहाल महंगाई से कोई राहत मिल पाएगी। जहां तक सवाल है पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दाम बढ़ने का, तो इस मामले में सरकार बार झ बार कह रही है कि यह विदेशी बाजार में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के दाम बढ़ने का नतीजा है। ऐसे में उसके हाथ में कुछ नहीं है। जाहिर है, महंगाई अपनी रफ्तार से बढ़ेगी और आम आदमी को ही इसका बोझ ढोना होगा।

वैसे महंगाई बढ़ना अर्थव्यवस्था के लिए कोई खराब संकेत नहीं होता। महंगाई बढ़ने का एक मतलब यह भी है कि बाजार में मांग बढ़ रही है, इसलिए चीजें मंहगी हो रही हैं। लेकिन यह तब तक ही अच्छा है जब खर्च करने के लिए लोगों के हाथ में पैसा हो और अर्थव्यवस्था मजबूत हो। पर अभी हालात ऐसे तो हैं नहीं। लोग महामारी से पैदा हालात खासतौर से आर्थिक संकट से उबरे भी नहीं हैं। पिछले डेढ़ साल में उद्योगों और बाजार पर महामारी का काफी बुरा असर पड़ा था। करोड़ों लोगों का कामधंधा चौपट हो गया था। आमदनी में भारी गिरावट जारी है।

असंगठित क्षेत्र का हाल तो और बुरा है। रोज कमाने-खाने वाले तबके के हालात कहीं ज्यादा चिंताजनक हैं। अभी भी लाखों लोगों के पास रोजगार नहीं है। ऐसे में लोगों के पास खर्च करने को पैसा आएगा कहां से? चिंता की बात इसलिए भी है कि भारत में महंगाई बिना मांग के बढ़ रही है। पूर्णबंदी के बाद शुरू हुए उद्योगों ने अपने उत्पादों के दाम बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसके पीछे तर्क उत्पादन लागत बढ़ने से ढुलाई तक के खर्च बढ़ने का दिया गया। इसके साथ ही पेट्रोल, डीजल के दाम तो लगातार बढ़ ही रहे हैं। देश के ज्यादातर शहरों में पेट्रोल एक सौ दस और डीजल सौ रुपए से ऊपर बिक रहा है। ऐसे में ढुलाई भी महंगी होती जा रही है। इसलिए हर चीज के दाम आसमान छू रहे हैं।

सवाल है कि महंगाई से राहत कैसे मिले? ऐसा नहीं है कि महंगाई पर काबू पाने के लिए सरकार के पास कोई उपाय बचे नहीं हैं। लंबे समय से यह मांग उठ रही है कि केंद्र और राज्य सरकारें पेट्रोल और डीजल पर वसूले जाने करों को घटाएं। इससे इन उत्पादों के दाम नीचे आएंगे और फिर हर चीज के दाम पर उसका असर दिखना शुरू होगा। महंगाई को लेकर रिजर्व बैंक पहले ही चिंता जता चुका है और वह भी सरकार को पेट्रोल, डीजल पर लगने वाले करों में कटौती का सुझाव दे चुका है। हाल में रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने भी पेट्रोलियम उत्पादों पर लगने वाले करों में कटौती की जरूरत बताई है। हालांकि सरकार का तर्क है कि पेट्रोल-डीजल पर वसूले जा रहे करों से जो पैसा आ रहा है उसी से गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाएं चल रही हैं। लेकिन सवाल है कि अभी लोगों को महंगाई की और मार से कैसे बचाया जाए? आम लोगों पर महंगाई की मार के दूरगामी असर होते हैं, जो उन्हें गरीबी की ओर धकेलते हैं। इसलिए महंगाई काबू करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए, जो फिलहाल नजर आ नहीं रही।

सनातन पर हमले का ना खत्म होने वाला सिलसिला

-संजय सक्सेना

12 मई 2026 को तमिलनाडु विधानसभा में एक ऐसा दृश्य देखने को मिला जिसने करोड़ों सनातनियों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुँचाई। डीएमके नेता और नवनिर्वाचित नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन ने विधानसभा में नये मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के सामने खड़े होकर यह कहा कि सनातन धर्म लोगों को बांटने का काम करता है, इसलिए इसे जड़ से मिटा देना चाहिए। यह बयान किसी साधारण मंच पर नहीं, बल्कि एक संवैधानिक सदन में दिया गया, जो इसकी गंभीरता को और अधिक बढ़ा देता है। नेता प्रतिपक्ष के रूप में यह उनका पहला आधिकारिक भाषण था, जिसमें उन्होंने द्रविड़ विचारधारा को सदन में मजबूती से रखने के उद्देश्य से यह तीखा रुख अपनाया। वहीं नये-नवेले मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने उदयनिधि के बयान पर ठंडा रुख अख्तियार करके साबित कर दिया कि उन्हें उदयनिधि की सोच से कोई फर्क नहीं पड़ता है। यह पहली बार नहीं है जब उदयनिधि ने ऐसा जहर उगला हो। सितंबर 2023 में उन्होंने सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया और कोरोना जैसी बीमारियों की संज्ञा देते हुए कहा था कि जिस तरह इन बीमारियों को खत्म करना जरूरी है, उसी तरह सनातन धर्म को भी समूल नष्ट कर देना चाहिए। उस बयान के बाद देशभर में भारी विरोध हुआ और मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुँचा। सुप्रीम कोर्ट और मद्रास हाईकोर्ट ने उनके बयान पर कड़ी टिप्पणी की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि एक मंत्री होने के नाते उन्हें अपने शब्दों की जिम्मेदारी समझनी चाहिए। लेकिन इन सबके बावजूद उदयनिधि न केवल बेखौफ रहे, बल्कि डीएमके सरकार ने पुराने बयान पर कोई कार्रवाई करने की बजाय उन्हें प्रमोशन देकर डिप्टी सीएम बना दिया था। और अब, विधानसभा चुनाव में करारी हार झेलने के बाद भी उनकी अकड़ ढीली नहीं हुई और उन्होंने वही बयान दोहरा दिया।

खैर, तमिलनाडु की राजनीति में सनातन धर्म के प्रति यह विरोध किसी अचानक उभरी प्रवृत्ति का नाम नहीं है। उदयनिधि स्टालिन का यह भी कहना है कि तमिलनाडु में पिछले 100 सालों से सनातन धर्म के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं और वे अगले 200 सालों तक भी इसके खिलाफ बोलना जारी रखेंगे। यह बयान द्रविड़ आंदोलन की उस विचारधारा की जड़ों से जुड़ा है जिसकी नींव पेरियार और अन्नादुरई जैसे नेताओं ने रखी थी। तमिलनाडु में जिस तरह की राजनीति का बोलबाला है, उसमें हिंदू धर्म की आलोचना को प्रगतिशील राजनीति का प्रतीक माना जाता है। एक वरिष्ठ मंत्री बहुसंख्यक धर्म के खिलाफ इतना अपमानजनक बयान दे और फिर भी बिना किसी राजनीतिक नुकसान के कुर्सी पर बना रहे, यही तमिलनाडु की राजनीतिक संस्कृति की वास्तविकता है। हालाँकि हाल के विधानसभा चुनाव में डीएमके को भारी हार का सामना करना पड़ा, जो यह दशार्ता है कि तमिलनाडु की जनता का एक बड़ा वर्ग अब इस राजनीति से ऊब चुका है। नई सरकार थलपति विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कषगम के नेतृत्व में बनी है, जो इस बात का संकेत है कि प्रदेश में सनातन विरोध की राजनीति को जनता ने अस्वीकार करना शुरू किया है। फिर भी, डीएमके का वही रवैया बरकरार है जो दशकों से चला आ रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि सनातन धर्म के विरुद्ध यह राजनीतिक अभियान केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला का आरोप है कि कांग्रेस, टीएमसी, राजद, सपा और डीएमके का एक ही प्लान है सनातन हिंदू का अपमान और वोट बैंक की दुकान। यह आरोप हवाई नहीं है, क्योंकि इन दलों के नेताओं के बयानों की एक लंबी फेहरिस्त है। समाजवादी पार्टी के सांसद अफजल अंसारी ने महाकुंभ 2025 को लेकर व्यंग्य करते हुए कहा था कि अगर कुंभ स्नान से सच में पाप धुलते हैं तो नरक तो खाली हो जाएगा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी महाकुंभ को लेकर विवादित बयान देते हुए सनातन धर्म की मान्यताओं पर कटाक्ष किया और यहाँ तक कह दिया कि महाकुंभ जैसी कोई चीज है ही नहीं।

तेलंगाना के कांग्रेस मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करते हुए हिंदू देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जो लोग दो शादी करते हैं उनके लिए अलग भगवान हैं और जो शराब पीते हैं उनके लिए अलग भगवान हैं। कमल हासन ने भी राज्यसभा सांसद बनने के बाद एक कार्यक्रम में दावा किया कि शिक्षा ही वह एकमात्र हथियार है जो तानाशाही और सनातन धर्म की जंजीरों को तोड़ सकती है। राजद की राजनीति भी इस मामले में कम आक्रामक नहीं रही। मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए लालू प्रसाद यादव ने सनातन विरोधी राजनीति को अपने दल की पहचान बनाया और आडवाणी को जेल में डालने जैसे कदम उठाए। इन तीनों दलों की रणनीति स्पष्ट है कि मुस्लिम और दलित वोट बैंक को एकजुट करने के लिए सनातन धर्म को निशाना बनाओ, उसे जाति-आधारित उत्पीड़न का प्रतीक बताओ और प्रगतिशील राजनीति का चेहरा पेश करो। इस पर अधिकांश विपक्षी दलों ने रचनात्मक विकल्प देने की बजाय हिंदू द्वेष को ही अपनी रणनीति का केंद्र बना लिया। उनकी चुनावी राजनीति इस धारणा पर टिकी है कि सनातन धर्म का विरोध कर वे अपने अल्पसंख्यक वोट बैंक को मजबूत बना सकते हैं। इस रणनीति का मकसद हिंदू धर्म को बदनाम करना और उससे जुड़े मुद्दों को अविश्वसनीय ठहराना है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब किसी अन्य धर्म के बारे में ऐसा बयान दिया जाए तो देश में भूचाल आ जाता है, लेकिन सनातन धर्म के विरुद्ध खुलेआम उन्मूलन की बात करने पर कानूनी शिकंजा क्यों नहीं कसता? भारतीय दंड संहिता की धारा 295-ए धार्मिक भावनाओं को जानबूझकर आहत करने को दंडनीय अपराध मानती है। इसके अलावा धारा 153-ए धर्म, जाति, भाषा के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता बढ़ाने पर दो साल तक की सजा का प्रावधान करती है। लेकिन इन धाराओं का प्रयोग सनातन के अपमानकताओं के खिलाफ शायद ही कभी प्रभावी ढंग से हो पाता है। बता दें, भारतीय संविधान देश को एक पंथनिरपेक्ष लोकतंत्र घोषित करता है और विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। लेकिन यही पंथनिरपेक्षता एकतरफा होकर रह जाती है, जब एक धर्म विशेष को निशाना बनाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और दूसरे धर्म की आलोचना सांप्रदायिक मान ली जाती है। समस्या यह है कि धर्म के विरुद्ध घृणा और जातिगत व्यवस्था की आलोचना के बीच की रेखा को अदालतें बहुत ढीले ढंग से व्याख्यायित करती हैं। इसी कारण राजनेता सनातन को सीधे निशाने पर लेकर भी कानूनी पकड़ से बाहर निकल जाते हैं।

जहाँ तक भाजपा सरकार के 12 साल के कार्यकाल का सवाल है, तो सरकार ने भारतीय न्याय संहिता के रूप में नई आपराधिक संहिता लागू की, लेकिन धार्मिक भावनाओं को आहत करने से संबंधित प्रावधान मूल रूप में ही रहे। कोई नया विशेष कानून नहीं बना जो विशेष रूप से सनातन धर्म के अपमान पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित कर सके। हाँ, एनएसए और यूएपीए का प्रयोग धार्मिक उग्रवाद रोकने के लिए जरूर हुआ, पर राजनेताओं के बयानों पर यह हथियार नहीं चला। जब तक संसद में स्पष्ट कानून नहीं बनता जो किसी भी धर्म के उन्मूलन की माँग करने वाले बयान को राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा मानकर अभियोजन का आधार बनाए, तब तक यह खेल यूँ ही चलता रहेगा। किसी को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि सनातन धर्म भारत की सभ्यता का मूल आधार है। यह किसी राजनीतिक दल की सम्पत्ति नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आस्था, संस्कृति और जीवन-दर्शन है। इसके विरुद्ध हर बार उठने वाली आवाजें जब दण्डमुक्त रहती हैं, तो यह लोकतंत्र और संविधान दोनों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती हैं। समय आ गया है कि राजनीतिक लाभ के लिए धर्म को अपमानित करने की इस प्रवृत्ति पर संसद, न्यायपालिका और समाज तीनों एकजुट होकर लगाम लगाएँ। वहीं, सनातन धर्म मानने वालों को भी ऐसी घटनाओं का अपने स्तर पर जोरदार विरोध करना चाहिए।

यूपी में ब्राह्मण वोटरों के लिये सजते सियासी गुलदस्ते

उत्तर प्रदेश की राजनीति में ब्राह्मण समाज एक बार फिर केंद्र में आ गया है। 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए लगभग सभी प्रमुख दल इस समाज को अपने पक्ष में करने की कोशिश में जुट गये हैं। लंबे समय तक भारतीय जनता पार्टी का मजबूत आधार माने जाने वाले ब्राह्मण मतदाताओं को लेकर अब विपक्षी दलों को यह उम्मीद दिखाई दे रही है कि उनमें कुछ नाराजगी पनप रही है। यही कारण है कि समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी दोनों ही अपने-अपने तरीके से ब्राह्मण समाज को साधने में लगी हुई हैं। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी भी यह समझती है कि यदि ब्राह्मण मतदाता बड़ी संख्या में उससे दूर हुए तो उसका चुनावी गणित प्रभावित हो सकता है। इसलिए सत्ता पक्ष भी लगातार संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव लगातार यह संदेश देने में लगे हैं कि वर्तमान सरकार में एक खास जाति का प्रभाव बढ़ गया है और ब्राह्मण समाज स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहा है। सपा यह धारणा बनाने का प्रयास कर रही है कि प्रशासनिक तंत्र में ठाकुर समाज के अधिकारियों का दबदबा है और उन्हें बेहतर पदों पर तैनाती मिल रही है। कानून व्यवस्था से जुड़े कुछ मामलों को भी इसी दृष्टि से प्रचारित किया जा रहा है ताकि

-अजय कुमार

ब्राह्मण मतदाताओं के भीतर असंतोष पैदा किया जा सके। लेकिन समाजवादी पार्टी के सामने सबसे बड़ी समस्या उसका अपना पुराना इतिहास है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में स्मृतियां बहुत जल्दी धुंधली नहीं होतीं। बड़ी संख्या में ब्राह्मण मतदाता आज भी उस दौर को याद करते हैं जब सपा की सरकार पर गुंडाराज, जातीय पक्षपात और कानून व्यवस्था बिगड़ने के आरोप लगते थे। उस समय कई ऐसे घटनाक्रम हुए जिन्हें विपक्ष ने ब्राह्मण विरोधी वातावरण के रूप में प्रचारित किया। यही वजह है कि सपा चाहे जितनी कोशिश करें, उसके सामने भरोसे का संकट बना हुआ है। स्थिति तब और कठिन हो जाती है जब पार्टी के कुछ नेता विवादित बयान दे देते हैं। सपा के प्रदेश प्रवक्ता राजकुमार भाटी का हालिया बयान इसी श्रेणी में देखा जा रहा है, जिसमें उन्होंने ब्राह्मण समाज की तुलना अपमानजनक तरीके से की। ऐसे बयान सपा की उस कोशिश को कमजोर करते हैं, जिसमें वह स्वयं को ब्राह्मण हितैषी साबित करना चाहती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केवल सम्मेलनों और नारों से कोई समाज प्रभावित नहीं होता, बल्कि वह नेताओं की भाषा और व्यवहार को भी देखता है। यदि पार्टी के भीतर से ही विरोधाभासी संकेत मिलें तो मतदाताओं का भरोसा बन पाना कठिन हो जाता है।

बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती भी इस समय ब्राह्मण वोटरों पर विशेष ध्यान दे रही हैं। एक समय ऐसा था जब बहुजन समाज पार्टी ने दलित और ब्राह्मण सामाजिक समीकरण के सहारे उत्तर प्रदेश की सत्ता प्राप्त की थी। उस दौर में ह्लब्राह्मण शंख बजायेगा, हाथी बढ़ता जायेगाह्व जैसे नारे खूब चर्चित हुए थे। पार्टी ने बड़ी संख्या में ब्राह्मण नेताओं को आगे बढ़ाया और उन्हें सम्मानजनक हिस्सेदारी भी दी। हालांकि बसपा के सामने भी विरोधाभास की समस्या है। राजनीतिक विरोधियों को आज भी उसका पुराना नारा ह्लतिलक, तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चारह्व याद है। विरोधी दल यह सवाल उठाते हैं कि जो पार्टी कभी ब्राह्मण विरोधी नारे लगाती थी, वह आज अचानक ब्राह्मण हितैषी कैसे बन गयी। यही कारण है कि मायावती लगातार समाजवादी पार्टी को घेरते हुए स्वयं को अपेक्षाकृत बेहतर विकल्प के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रही हैं। मायावती समझती हैं कि यदि ब्राह्मण मतदाता भाजपा से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं तो उन्हें आकर्षित करने का अवसर अभी भी मौजूद है। इसलिए वह सपा पर ब्राह्मण विरोधी होने का आरोप लगाते हुए अखिलेश यादव से अपने नेताओं के बयानों पर माफी मांगने की मांग कर रही हैं। यह केवल राजनीतिक हमला नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। बसपा चाहती है कि ब्राह्मण समाज के भीतर यह संदेश जाए कि सपा केवल चुनावी लाभ के लिए उन्हें याद कर रही है, जबकि उसके नेताओं की मानसिकता अब भी वही है। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस पूरे घटनाक्रम को गंभीरता से देख रहे हैं। भाजपा की राजनीति लंबे समय से सामाजिक संतुलन पर आधारित रही है। पार्टी यह भलीभांति जानती है कि उत्तर प्रदेश में केवल एक जाति के सहारे सत्ता में बने रहना संभव नहीं है। ब्राह्मण समाज भाजपा का परंपरागत समर्थक माना जाता रहा है और यदि उसमें नाराजगी का संदेश फैलता है तो उसका असर चुनावी परिणामों पर पड़ सकता है। इसी कारण हाल के मंत्रिमंडल विस्तार में ब्राह्मण चेहरे मनोज पाण्डेय को मंत्री बनाकर भाजपा ने स्पष्ट संकेत देने की कोशिश की कि पार्टी सभी वर्गों को साथ लेकर चलना चाहती है। भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि सरकार में ब्राह्मण समाज की भागीदारी और सम्मान दोनों सुरक्षित हैं। इसके अलावा पार्टी संगठन में भी ब्राह्मण नेताओं की सक्रियता बढ़ायी जा रही है। भाजपा की चिंता यह है कि विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि वर्तमान सरकार में ठाकुर समाज का प्रभाव अधिक है। कई प्रशासनिक नियुक्तियों और पुलिस कार्यवाहियों को लेकर भी सवाल उठाये गये हैं। लेकिन भाजपा समर्थकों का कहना है कि योगी सरकार ने जाति के बजाय कानून व्यवस्था को प्राथमिकता दी है और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई बिना भेदभाव के की गयी है। भाजपा का तर्क यह भी है कि यदि केवल जातीय आधार पर शासन चल रहा होता तो उसे लगातार व्यापक जनसमर्थन नहीं मिलता।

बहरहाल, उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण समाज को लेकर तीनों प्रमुख दलों में रस्साकशी इसलिये हो रही है क्योंकि ब्राह्मणों की संख्या भले ही बहुत अधिक न हो, लेकिन उसका राजनीतिक प्रभाव काफी व्यापक माना जाता है। यह समाज केवल वोट देने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सामाजिक और वैचारिक स्तर पर भी प्रभाव डालता है। यही कारण है कि हर दल उसे अपने साथ जोड़ने की कोशिश करता है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति को देखें तो ब्राह्मण मतदाता पूरी तरह किसी एक दल के साथ बंधा हुआ नहीं दिख रहा। वह अपने सम्मान, भागीदारी और सुरक्षा को लेकर सजग है। लेकिन साथ ही वह पुराने अनुभवों को भी याद रखता है। समाजवादी पार्टी के सामने चुनौती यह है कि वह केवल आरोपों के सहारे नहीं, बल्कि व्यवहार और नेतृत्व की विश्वसनीयता के माध्यम से भरोसा पैदा करे। बहुजन समाज पार्टी को अपने पुराने नारों और छवि से बाहर निकलना होगा। वहीं भाजपा को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके खिलाफ फैलाई जा रही उपेक्षा की धारणा मजबूत न हो। कुल मिलाकर, 2027 का यूपी विधानसभा चुनाव केवल विकास और कानून व्यवस्था का मुद्दा नहीं होगा, बल्कि सामाजिक संतुलन और राजनीतिक विश्वास की भी परीक्षा बनेगा। ब्राह्मण मतदाता इस बार किस ओर जायेगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन इतना तय है कि उत्तर प्रदेश की सत्ता का रास्ता उसके रुख से जरूर प्रभावित होगा। सभी दलों के नेताओं ने ब्राह्मण वोटों के लिये सियासी गुलदस्ते तैयार कर रखे हैं। देखना यह है कि 2027 में ब्राह्मण वोटर किसका गुलदस्ता स्वीकार करेगा।

जिला परिषद पालघर में उत्साहपूर्वक मनाई गई छत्रपति संभाजी महाराज की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर में गुरुवार 14 मई 2026 को छत्रपति संभाजी महाराज की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने छत्रपति संभाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

छत्रपति संभाजी महाराज, छत्रपति शिवाजी महाराज के ज्येष्ठ पुत्र और स्वराज्य के दूसरे छत्रपति थे। उन्हें एक विद्वान, दूरदर्शी और पराक्रमी शासक के रूप में जाना जाता है। संस्कृत, हिंदी, फारसी सहित कई भाषाओं में उनकी महारत थी। ह्यबुधभूषणह्ण जैसी ग्रंथ रचनाओं के माध्यम से उनकी विद्वता का पता चलता है। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने धर्म और स्वाभिमान का मार्ग अपनाया और धर्मरक्षा एवं स्वराज्य की रक्षा के लिए अद्वितीय बलिदान दिया। उनका साहस और पराक्रम आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र पाटील, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सा.) इजाज अहमद शरीक मसलत, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक पाटील, मुख्य लेखा वित्त अधिकारी सचिन कवठे, जिला कृषी विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी तथा जिला परिषद के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

रविशंकर दुबे उपनगरीय रेल उपयोग कर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य बने

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पश्चिम रेल्वे ने नैसर्गिक विकलांग सेवा संघ को सदस्य - उपनगरीय रेल उपयोगकर्ता परामर्श दात्री समिति में मनोनीत किया है। संस्था अध्यक्ष टी. एन. दुबे द्वारा रविशंकर दुबे को सदस्य के रूप में उपनगरीय रेल उपयोगकर्ता परामर्श दात्री समिति में नियुक्त किया गया है। दुबे की नियुक्ति पर एडवोकेट कांतिलाल संघोई (अध्यक्ष कच्छ असोसिएशन), प्रशांत चारी, आनंद पाठक, प्रभाकर शुक्ला, एडवोकेट सुरेशचंद तिवारी, हृदयशंकर मिश्रा, महेंद्र दुबे, विनय शुक्ला, सूरज यादव, विनय दुबे, नविन शुक्ला, संतोष कुमार दुबे, केशवप्रसाद चौबे, विनोद दुबे, पिन्टू उपाध्याय ने प्रशंसा जाहिर की है।

भिवंडी मनपा में सफाई कर्मचारियों की समस्याओं की समीक्षा करेंगे राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष मुकेश सारवान

भिवंडी। महाराष्ट्र राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष मुकेश सोनु सारवान 25 मई 2026 को सुबह 11:30 बजे भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका का दौरा करेंगे। इस दौरान वे मनपा आयुक्त के साथ सफाई कर्मचारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करेंगे। बैठक में सफाई कर्मचारियों के लिए चलाई जा रही श्रमसाफल्य योजना, दूषित गटर में काम करते समय मृत्यु, स्थायी अपंगता अथवा घायल हुए मैन्युअल स्कैवेंजर एवं सफाई कामगारों को मुआवजा देने से संबंधित प्रकरणों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा वारसा हक के लंबित मामलों, सफाई कर्मचारियों के मंजूर पद, भरे हुए पद तथा रिक्त पदों की जानकारी भी ली जाएगी। उपाध्यक्ष मुकेश सारवान सफाई कर्मचारियों के सर्वांगीण विकास के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी प्राप्त करेंगे। समीक्षा बैठक के बाद पत्रकार परिषद आयोजित किए जाने की जानकारी महाराष्ट्र राज्य सफाई कर्मचारी आयोग कार्यालय की ओर से दी गई है।

आखिरकार दिवंगत बिनु कुमारण के परिवार को मिली शासन की आर्थिक सहायता

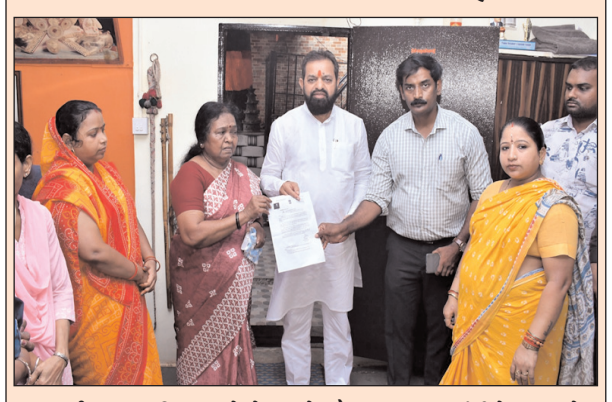

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गणेशोत्सव के दौरान अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश विसर्जन शोभायात्रा के समय चांदिवली खैरानी रोड पर ओवरहेड वायर का करंट लगने से गणेश भक्त स्वर्गीय बिनु कुमारण की दर्दनाक मौत हो गई थी। परिवार के कमाने वाले सदस्य के निधन के बाद कुमारण परिवार पूरी तरह निराधार हो गया था। ऐसे कठिन समय में स्थानीय शिवसेना विधायक दिलीप (मामा) लांडे के अथक प्रयासों से मृतक बिनु कुमारण के परिवार को मुख्यमंत्री सहायता निधि से 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मंजूर कराई गई। गुरुवार, 14 मई 2026 को विधायक दिलीप (मामा) लांडे के शुभहस्तों तथा कुर्ला तालुका तहसीलदार दिलीप रायन्नावर की प्रमुख उपस्थिति में मृतक बिनु कुमारण के परिवार को सहायता राशि का धनादेश सौंपा गया। यह कार्यक्रम कुर्ला पश्चिम स्थित काजूपाड़ा शिवाजी मैदान के आदेश संदेश भवन में विधायक दिलीप लांडे के जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर जब बिनु कुमारण की माता को धनादेश सौंपा गया, तो वह भावुक हो उठीं। कार्यक्रम के दौरान विधायक दिलीप लांडे ने कहा कि गणेश विसर्जन के दौरान चांदिवली में एक गणेश भक्त की करंट लगने से मृत्यु हो गई थी, जिसके बाद उनकी मां पूरी तरह निराधार हो गई थीं। उन्हें शासन की आर्थिक सहायता दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए गए। उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल शासन की ओर से 1 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई है, लेकिन भविष्य में उस माता को स्थायी आर्थिक सहायता मिल सके, इसके लिए वे स्वयं और तहसीलदार लगातार प्रयास कर रहे हैं। अगले महीने से नियमित आर्थिक सहायता शुरू करने का भी आश्वासन उन्होंने इस अवसर पर दिया।

पानी फाउंडेशन के सत्यमेव जयते फार्मर कप उपक्रम के लिए पालघर में मेंटार कार्यशाला

◆सामूहिक शक्ति के माध्यम से स्थायी खेती को बढ़ावा, किसान संगठनों को मजबूत करने पर जोर

पालघर(उत्तरशक्ति)। किसानों के संगठनों को मजबूत करके सामूहिक और स्थायी खेती को बढ़ावा देने के लिए पानी फाउंडेशन की ओर से सत्यमेव जयते फार्मर कप उपक्रम के अंतर्गत बुधवार 13 मई 2026 को जिला परिषद पालघर स्थित जननायक बिरसा मुंडा सभागार में मेंटार कार्यशाला का आयोजन किया गया। पालघर जिले में इस उपक्रम को व्यापक और प्रभावी रूप से लागू करने के उद्देश्य से यह कार्यशाला आयोजित की गई थी। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न इस कार्यशाला में मुख्य मार्गदर्शक के रूप में पानी फाउंडेशन के डॉ. अविनाश पोल ने उपस्थित लोगों को मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि सत्यमेव जयते फार्मर कप केवल एक प्रतिस्पर्धात्मक उपक्रम नहीं है, बल्कि यह किसानों को ज्ञान, संगठन और सामूहिक शक्ति के माध्यम से सशक्त बनाने वाली पहल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ज्ञान की लालसा रखने वाले किसानों का संगठन बनाना और गांव-गांव में सक्षम मेंटार तैयार करना इस उपक्रम का मुख्य उद्देश्य है। यह कार्यशाला उमेद अभियान, कृषि विभाग, आत्मा अंतर्गत कार्यरत मेंटार्स और विभिन्न विभागों के मार्गदर्शकों के लिए आयोजित की गई थी। उमेद अभियान के मेंटर्स, जिला स्तरीय अधिकारी, आत्मा के मेंटर्स, समूह विकास अधिकारी और कृषि अधिकारी इस उपक्रम में मेंटर के रूप में सक्रिय रूप से भाग लें और किसानों तक इस उपक्रम को पहुंचाएं, इसके लिए उन्हें विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। डॉ. पोल ने उमेद अभियान के कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि गांव-गांव में सवकारी प्रथा को कम करने में बचत समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसी कारण पानी फाउंडेशन ने उमेद अभियान को सलाम किया। उन्होंने कहा कि किसानों को पूर्ण ज्ञान देने के लिए सक्षम और प्रशिक्षित मेंटर्स का होना आवश्यक है। उन्होंने सभी से कहा, ह्यहाथ में हाथ डालकर काम करें और किसानों की समस्याओं को दूर करने के लिए एकजुट हों।ह्ण बदलते समय में डिजिटल कृषि स्कूल गांव-गांव तक पहुंचाने की जरूरत है और ज्ञान प्रबंधन आज के किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक प्रशिक्षण से सक्षम किसान समूह तैयार करना और सामूहिक शक्ति के माध्यम से कृषि विकास करना इस उपक्रम का मुख्य उद्देश्य है। फार्मर कप उपक्रम के तहत सामूहिक खेती, उत्पादन लागत में बचत, आधुनिक और वैज्ञानिक खेती का प्रसार, महिलाओं को सशक्त बनाना, जलवायु अनुकूल खेती और बाजार उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। किसानों को पानी प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य, कीट नियंत्रण और फसल प्रबंधन जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया जायेगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा कि बदलती कृषि परिस्थितियों में किसानों का सामूहिक शक्ति के माध्यम से एकजुट होना आवश्यक है। किसान समूहों के माध्यम से आधुनिक तकनीक का प्रसार, उत्पादन लागत में बचत और सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से प्राप्त किया जा सकता है। ग्रामीण किसान आत्मनिर्भर बनें और युवा खेती की ओर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं, यही इस उपक्रम का प्रमुख उद्देश्य है। इस उपक्रम के तहत निवासी प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे और उत्कृष्ट कार्य करने वाले समूहों को राज्य और तालुका स्तर पर पुरस्कार और सम्मान दिया जाएगा। 2016 से महाराष्ट्र के 350 से अधिक तालुकों में यह उपक्रम चलाया जा रहा है और लाखों किसान परिवारों को इसका लाभ मिल रहा है। पालघर जिले में भी इस उपक्रम से स्थायी और सामूहिक शक्ति पर आधारित खेती को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर आत्मा के परियोजना निदेशक विनायक पवार, जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी, उपखंड कृषि अधिकारी विश्वास बर्वे, कृषि विभाग के अधिकारी, मेंटर्स और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुंबई-वडोदरा हाईवे पर भीषण हादसे में भिवंडी के दो युवकों की दर्दनाक मौत, क्षेत्र में पसरा मातम

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। मुंबई-वडोदरा महामार्ग पर उद्घाटन से पहले ही हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को दुगाड क्षेत्र में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में भिवंडी के दो युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान जिशान अंसारी (20) निवासी पिरानी पाड़ा तथा इमरान अंसारी (25) निवासी पटेल कंपाउंड, धामणकर नाका के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों युवक वॉलपेपर लगाने का काम करते थे और काम के सिलसिले में अंबाडी क्षेत्र गए हुए थे। काम खत्म कर वापस लौटते समय मोहिली-दुगाड के पास मुंबई-वडोदरा महामार्ग पर सड़क निर्माण कार्य में लगे एक डंपर से उनकी बाइक टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवकों को गंभीर चोटें आईं और अत्यधिक रक्तस्राव होने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही गणेशपुरी पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिवंडी के सरकारी उपजिला अस्पताल भेज दिया गया। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिवार और इलाके में शोक की लहर फैल गई।

उल्हासनगर-3 के विट्ठलवाड़ी क्षेत्र में महिलाओं के साथ अमानवीय व्यवहार से सनसनी

सरेआम महिलाओं की पिटाई तमशगिर बने रहे सैकड़े लोग

उल्हासनगर(उत्तरशक्ति)। उल्हासनगर में बीच सड़क पर महिलाओं को बेरहमी से पीटा गया, उनके बाल काटे गए और चप्पलों की माला पहनाकर उनकी धिंड निकाली गई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया है।

मध्यवर्ती पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार, पीड़िता चॉकलेट-बिस्किट बनाने का काम करती हैं। 14 मई की सुबह करीब 10 बजे तरुण मित्र मंडल, ढकमाता चौक, विट्ठलवाड़ी के सार्वजनिक रास्ते पर आरोपियों ने उन पर हमला किया।

आरोपियों में ज्युली वाघरी, विष्णु वाघरी, पप्पी वाघरी, नितिन घोरत, रोहिता वाघरी, सोनू उर्फ बालू वाघरी, महेश वाघरी सहित अन्य लोगों के नाम शामिल हैं।

शिकायत के अनुसार, आरोपी पहले से जमानत पर बाहर थे। पीड़िता की बहन ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने जा रही थीं, तभी आरोपियों ने रास्ता रोककर नितिन घोरत ने लकड़ी के डंडे से हमला किया। अन्य आरोपियों ने लात-घूंसों से मारपीट की। इसके बाद ज्युली वाघरी और विष्णु वाघरी ने पीड़िता के सिर के बाल काट दिए।

इतना ही नहीं, पीड़िता की बहन, पिता और बेटी को भी हाथों और लाठियों से पीटकर घायल कर दिया गया। साथ ही पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस अमानवीय घटना के बाद क्षेत्र में भारी रोष व्याप्त है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है।

पालघर जिला राज्यस्तरीय पुरस्कार से सम्मानित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों पालघर जिले को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्यस्तरीय द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मुख्यमंत्री की उपस्थिति में सातारा के सैनिक स्कूल में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने ग्रहण किया।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, ग्राम विकास और पंचायत राज मंत्री जयकुमार गोरे, राज्यसभा सांसद उदयनराजे भोसले, ग्राम विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न जिलों के प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। पालघर जिले ने ग्रामीण क्षेत्र में पात्र लाभार्थियों को पक्के मकान उपलब्ध कराने में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समय पर लक्ष्य पूर्ति, लाभार्थी-केंद्रित योजना, प्रभावी प्रशासनिक समन्वय और योजनाओं की सुचारू कार्यान्वयन के कारण पालघर जिले को यह राज्यस्तरीय स्थान प्राप्त हुआ। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने इस उपलब्धि पर जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा, पंचायत समितियों, ग्राम पंचायतों, अधिकारियों-कर्मचारियों और लाभार्थियों को बधाई दी। यह सफलता ग्रामीण विकास की दिशा में जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

मंत्री सरनाईक की अवधारणा के तहत शुरू की गई, मराठी भाषा शिक्षण कार्यशाला को रिक्शा चालकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। कार्यशाला की सबसे खास बात यह रही कि मराठी सिखाने की जिम्मेदारी हिंदी भाषी छात्रा सपना कुमारी शंभू साह को सौंपी गई है। सपना ने मराठी माध्यम से शिक्षा प्राप्त कर 10वीं बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक हासिल किए और मराठी विषय में 91 अंक प्राप्त कर नगर पालिका विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। मंत्री सरनाईक ने सपना की उपलब्धि को उदाहरण बताते हुए अमराठी रिक्शा चालकों से मराठी सीखने की अपील की। मीरा-भायंदर में रिक्शा चालकों के दस्तावेजों और लाइसेंस की जांच के दौरान यह सामने आया कि 565 चालक साधारण मराठी भी नहीं बोल सकते। इसके बाद परिवहन विभाग ने सभी अमराठी चालकों को 15 अगस्त तक व्यावहारिक मराठी सीखने का अल्टीमेटम दिया है। मंत्री सरनाईक ने स्पष्ट कहा कि महाराष्ट्र में रोजगार और लाइसेंस के लिए मराठी का ज्ञान आवश्यक है तथा यह केवल संवाद नहीं बल्कि महाराष्ट्र की संस्कृति, पहचान और आत्मसम्मान का विषय है। कार्यक्रम में ठाणे की क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी हेमांगिनी पाटिल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर यात्रियों से संवाद आसान बनाने के लिए तैयार की गई व्यावहारिक मराठी पुस्तिका का भी अनावरण किया गया और चालकों में वितरित किया गया। मंत्री सरनाईक ने कहा कि शिवसेना की प्रत्येक शाखा में ऐसी कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी और रिक्शा चालकों को मराठी सीखने के लिए 105 दिनों का समय दिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि 16 अगस्त को दोबारा निरीक्षण किया जाएगा और जो चालक मराठी बोलने में असमर्थ पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पालघर में खरीफ सीजन से पहले कृषि कार्यशाला

किसानों को मिश्रित और जैविक खाद के उपयोग का किया गया आह्वान

पालघर (उत्तरशक्ति)। आगामी खरीफ मौसम के मद्देनजर पालघर जिले में कृषि विभाग द्वारा किसानों और कृषि उपादान विक्रेताओं के लिए एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें खरीफ सीजन के लिए खाद स्टॉक, बीज उपलब्धता, खाद का उचित उपयोग और समय पर कृषि उपादान किसानों तक पहुंचाने पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यशाला में जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी ने बताया कि जिले में वर्तमान में 930 मीट्रिक टन यूरिया का सुरक्षित स्टॉक उपलब्ध है। खुले बाजार में 310 मीट्रिक टन यूरिया और 1280 मीट्रिक टन अन्य मिश्रित खाद किसानों के लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कृषि विभाग सुनिश्चित कर रहा है कि खरीफ मौसम में किसानों को आवश्यकतानुसार यूरिया और अन्य खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो। साथ ही विभिन्न प्रकार के धान बीज का पर्याप्त स्टॉक भी उपलब्ध कराया जायेगा और सभी कृषि उपादान विक्रेताओं के माध्यम से किसानों तक बीज पहुंचाया जायेगा। पालघर जिले में धान मुख्य फसल है, साथ ही रागी और अन्य फसलों की भी व्यापक पैदावार होती है। इस अवसर पर किसानों को सलाह दी गई कि वे केवल यूरिया पर निर्भर न रहें, बल्कि मिश्रित और जैविक खाद का अधिक से अधिक उपयोग करें, ताकि मिट्टी की उर्वरता बनी रहे और संतुलित खाद प्रबंधन सुनिश्चित हो सके। कार्यशाला में पालघर एग्रो डीलर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष आशीष पाटील, उपाध्यक्ष रणधीर पाटील, जिले के खाद, बीज और कीटनाशक विक्रेता, मोहीम अधिकारी आदित्य रावुल, जिला गुण नियंत्रण निरीक्षक प्रदीप बारामते, तहसील कृषि अधिकारियों और पंचायत समिति स्तर के कृषि अधिकारियों के साथ-साथ चयनित किसान भी उपस्थित रहे। कृषि विभाग ने इस अवसर पर किसानों से अपील की कि वे अपने खेतों में संतुलित खाद प्रबंधन अपनाएं और खरीफ फसलों की बेहतर पैदावार सुनिश्चित करें।

सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की पहल से राज्य में 1.14 लाख करोड़ का निवेश : उद्योग मंत्री उदय सामंत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई महानगर क्षेत्र में 500 मेगावॉट क्षमता के ग्रीन एआई कंप्यूट हब और डेटा सेंटर पार्क की स्थापना के लिए एएम इंटेलिजेंस लैब्स के साथ हुए 1.14 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौते को सांसद Dr. Shrikant Shinde के लगातार प्रयासों की बड़ी सफलता माना जा रहा है। यह बात महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री Uday Samant ने कही।

उद्योग मंत्री उदय सामंत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उद्योग क्षेत्र में तकनीक और इंटेलिजेंस के प्रभावी उपयोग के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में निवेश बढ़ाने के लिए सांसद डॉ. शिंदे ने विशेष पहल की।

सांसद डॉ. शिंदे के विशेष निमंत्रण पर AM Intelligence Lbs Private Limited के साथ महाराष्ट्र सरकार ने 1.14 लाख करोड़ रुपये (12 बिलियन डॉलर) का समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया। मंत्री सामंत ने कहा कि मुंबई और नई दिल्ली में डॉ. शिंदे द्वारा लगातार की गई बैठकों और फॉलोअप का ही यह सकारात्मक परिणाम है।

इस निवेश समझौते के तहत मुंबई महानगर क्षेत्र में 500 मेगावॉट क्षमता वाला ग्रीन एआई कंप्यूट हब और डेटा सेंटर पार्क बनाया जाएगा। इससे 2,000 से 3,000 से अधिक उच्च-तकनीकी रोजगार के अवसर पैदा होंगे। यह परियोजना 24 घंटे नवीकरणीय ऊर्जा पर आधारित होगी और देश की अग्रणी परियोजनाओं में शामिल होगी। उद्योग मंत्री ने विश्वास जताया कि यह परियोजना महाराष्ट्र को देश की डिजिटल और एआई राजधानी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

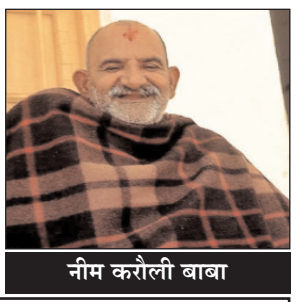

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सई नदी में नहाने गए दो युवकों की डूबने से दर्दनाक मौत, परिवारों में कोहराम

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सलखापुर गाँव के पास शुक्रवार की दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। यहाँ सई नदी में नहाने गए दो युवकों की पानी में डूबने से मौत हो गई। इस घटना के बाद से दोनों युवकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।

नहाते समय गहरे पानी में जाने से हादसा: प्राप्त जानकारी के अनुसार, जफराबाद थाना क्षेत्र के बैजाबाद गाँव से लगभग एक दर्जन युवक सलखापुर गाँव के पास सई नदी में नहाने आए थे। नदी में नहाते समय दो युवक अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। साथियों को डूबता देख अन्य युवकों ने शोर मचाया और उनकी खोजबीन शुरू की। काफी मशक्कत के बाद दोनों को नदी से बेहोशी की हालत में बाहर निकाला जा सका।

अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम: नदी से बाहर निकालने के बाद साथी युवक दोनों को तत्काल अपनी मोटरसाइकिल से जिला चिकित्सालय ले गए। वहाँ डॉक्टरों ने दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन और साथी उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल ले गए, जहाँ चिकित्सकों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान और पुलिसिया कार्रवाई: मृतकों की पहचान राजन चौहान (25 वर्ष) पुत्र अनिल चौहान और रवि चौहान (26 वर्ष) पुत्र राय चौहान के रूप में हुई है। दोनों मृतक जफराबाद के बैजाबाद गाँव के निवासी थे।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची: पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना से पूरे गाँव में शोक की लहर है।

माइक थामते ही बन गए पत्रकार, जौनपुर में फर्जी मीडिया का बढ़ता जाल

असली पत्रकारों की साख पर संकट, कानून में सख्त कार्रवाई का प्रावधान

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में पिछले कुछ वर्षों के दौरान यूट्यूब चैनलों और स्वयंभू पत्रकारों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। इसका सीधा असर वर्षों से जमीनी स्तर पर काम कर रहे पेशेवर पत्रकारों पर पड़ रहा है। बिना मान्यता, बिना प्रशिक्षण और बिना जवाबदेही के संचालित कई तथाकथित मीडिया चैनल न केवल गलत सूचनाएं प्रसारित कर रहे हैं, बल्कि पत्रकारिता की विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं।

माइक और कैमरा बना पहचान का जरिया: स्मार्टफोन और इंटरनेट की आसान उपलब्धता ने हर व्यक्ति को ह्यपत्रकारह्ण बनने का मंच दे दिया है। जौनपुर के तहसील परिसर, थानों और ब्लॉक कार्यालयों में ऐसे लोगों की सक्रियता बढ़ी है जो खुद को यूट्यूबर पत्रकार बताकर अधिकारियों पर दबाव बनाने और खबर के नाम पर अनुचित लाभ लेने के आरोपों में चर्चा में हैं। इससे वास्तविक पत्रकारों को भी संदेह की नजर से देखा जाने लगा है।

असली पत्रकारों की बढ़ी मुश्किलें: वरिष्ठ पत्रकारों का कहना है कि सोशल मीडिया पर बिना तथ्यों की जांच के खबरें प्रसारित होने से आम जनता का भरोसा मीडिया से कमजोर हो रहा है। प्रेस कार्ड की कोई स्पष्ट जांच व्यवस्था न होने और व्यूज व मोनेटाइजेशन की होड़ में सनसनीखेज खबरें चलाने की प्रवृत्ति ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। इसका असर यह हुआ कि प्रशासन और पुलिस भी कई बार सभी मीडिया कर्मियों को एक ही नजर से देखने लगे हैं, जिससे फील्ड रिपोर्टिंग में दिक्कतें बढ़ रही हैं।

कानून क्या कहता है: भारत में पत्रकारिता के लिए अलग से लाइसेंसिंग कानून नहीं है, लेकिन फर्जी पत्रकारिता और वसूली जैसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई का प्रावधान मौजूद है। भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धारा 308 के तहत खुद को पत्रकार बताकर धमकी देकर पैसे मांगने पर जबरन वसूली का मामला दर्ज हो सकता है। वहीं धारा 318 धोखाधड़ी तथा धारा 336 और 340 जालसाजी से जुड़े मामलों में लागू होती हैं। यदि कोई व्यक्ति फर्जी प्रेस कार्ड बनाकर लोगों को गुमराह करता है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई संभव है। इसके अलावा धारा 353 के तहत झूठी खबर या अफवाह फैलाकर सार्वजनिक शांति भंग करने पर तीन साल तक की सजा और जुमार्ने का प्रावधान है।

पत्रकारिता के मानकों पर खतरा: पत्रकारिता का मूल उद्देश्य तथ्य, संतुलन और जवाबदेही है, लेकिन तेजी से बढ़ते फर्जी चैनलों की होड़ में कई बार तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। इससे न केवल पेशेवर पत्रकारों की छवि प्रभावित हो रही है, बल्कि समाज में भ्रम और अविश्वास का माहौल भी बन रहा है।

सख्त जांच की मांग: जिले के पत्रकारों का कहना है कि प्रशासन को फर्जी प्रेस आईडी और संदिग्ध यूट्यूब चैनलों की जांच सख्ती से करनी चाहिए। उनका मानना है कि जब तक असली और नकली पत्रकारों के बीच स्पष्ट अंतर नहीं किया जाएगा, तब तक जनता तक सही और विश्वसनीय सूचना पहुंचाना चुनौती बना रहेगा।

अखिलेश यादव विपक्ष की राजनीति का सबसे बड़ा चेहरा: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि आज देश की विपक्षी राजनीति में जनता की उम्मीद, संघर्ष और वैकल्पिक राजनीति का सबसे बड़ा चेहरा अखिलेश यादव बनकर उभरे हैं।

पीडीए भवन कटघरा में आयोजित प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए अखिलेश यादव ने विकास, आधुनिकता और सामाजिक न्याय को नई दिशा दी। एक्सप्रेस-वे, मेट्रो, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं, लैपटॉप योजना, डायल 100 और किसान हितैषी योजनाएं आज भी उनकी पहचान बनी हुई हैं।

उन्होंने कहा कि देश की जनता बेरोजगारी, महंगाई और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर बढ़ते दबाव से चिंतित है। ऐसे समय में अखिलेश यादव पीडीए यानी पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज के साथ-साथ सर्वजन की आवाज बनकर मजबूत विकल्प के रूप में सामने आए हैं।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के मजबूत प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि जनता अब जनसरोकार और संवैधानिक मूल्यों की राजनीति चाहती है। आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति में अखिलेश यादव की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होगी।

उन्होंने कहा कि समाजवादी विचारधारा और पीडीए आंदोलन लोकतंत्र और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का कार्य करेगा तथा अखिलेश यादव के नेतृत्व में जनता को संवेदनशील और विकासवादी विकल्प मिलेगा।

93% अंक हासिल कर नशरा बानो ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

सरायमीर, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। एपीएस स्कूल और पूरे सरायमीर क्षेत्र के लिए उस समय गर्व का माहौल बन गया जब स्कूल चेयरमैन वसीम अहमद पेजार की पुत्री नशरा बानो ने इंटरमीडिएट परीक्षा में शानदार 93 प्रतिशत अंक हासिल कर परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया। नशरा बानो की इस सफलता की खबर मिलते ही शुभकामनाएं देने वालों का तांता लग गया। स्कूल परिवार, रिश्तेदारों और क्षेत्रवासियों ने उनकी मेहनत और लगन की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। लोगों का कहना है कि एक बेटी की सफलता केवल अंक नहीं होती, बल्कि उसके पीछे माता-पिता की मेहनत, बेहतर परवरिश और दुआएं छुपी होती हैं। नशरा की इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया कि अगर इरादे मजबूत हों और मेहनत सच्ची हो तो सफलता जरूर मिलती है। इस अवसर पर चेयरमैन वसीम अहमद पेजार भावुक नजर आए। उन्होंने बेटी की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बच्चों की कामयाबी ही माता-पिता की सबसे बड़ी दौलत होती है। क्षेत्र के लोगों ने नशरा बानो को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

तेज रफ्तार का कहर: सड़क हादसों में दो युवकों की मौत, पांच घायल

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार रात अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसों के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर मार्ग स्थित बड़ौना गांव तिराहे के पास रात करीब नौ बजे दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में नई आबादी मोहल्ला निवासी 35 वर्षीय इरफान अहमद उर्फ रिजु पुत्र वकील अहमद तथा उनके साथी कोरवलिया भादी गांव निवासी 30 वर्षीय सिरताज उर्फ देहाती पुत्र बब्बन गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं दूसरी बाइक पर सवार अरगुपुर खुर्द गांव निवासी 22 वर्षीय इंद्रेश कुमार बिंद पुत्र जिलेदार बिंद भी गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर तीनों को जिला चिकित्सालय रेफर किया गया, जहां से वाराणसी ले जाते समय इरफान उर्फ रिजु और इंद्रेश बिंद की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि इरफान नगर पालिका में सफाई कर्मी थे।

इसके अलावा चिरैया मोड़ पर भी शुक्रवार रात दो बाइकों की भिड़ंत में कोरवलिया गांव निवासी 20 वर्षीय दिनेश कुमार चौहान पुत्र शिवराम तथा खनुवाई गांव निवासी 20 वर्षीय आकाश कुमार पुत्र सुरेंद्र कुमार घायल हो गए। वहीं एक अन्य हादसे में अज्ञात वाहन की टक्कर से आजमगढ़ जनपद के पवई थाना क्षेत्र निवासी 30 वर्षीय मंशाराम यादव पुत्र कामता प्रसाद यादव तथा छत्तीसगढ़ निवासी 35 वर्षीय सुकुल सिंह पुत्र सुखराम सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जबकि घायलों का उपचार जारी है।

भाई को इंसाफ दिलाने सड़क पर उतरी बहन सौम्या

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चर्चित दूल्हा हत्याकांड मामले में मृतक के परिवार का दर्द अब सड़क पर दिखाई देने लगा है। अपने भाई को इंसाफ दिलाने के लिए बहन सौम्या ने मोर्चा संभाल लिया है। हाथों में तख्तियां और आंखों में आंसू लिए सौम्या ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

सौम्या ने कहा कि उनका परिवार अभी तक इस सदमे से बाहर नहीं निकल पाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में अब तक न्यायसंगत कार्रवाई नहीं हुई, जिससे परिवार और समाज में आक्रोश बढ़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि जल्द दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और परिजन भी मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में निष्पक्ष जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग उठाई। इस मामले को लेकर जिले में लगातार चर्चाएं जारी हैं और सोशल मीडिया पर भी लोग पीड़ित परिवार के समर्थन में आवाज उठा रहे हैं।

परिजनों का कहना है कि वे अपने बेटे और भाई को न्याय दिलाने के लिए हर स्तर तक लड़ाई लड़ेंगे।

पीयू के आठ छात्र केमिस्ट पद पर चयनित

एमएससी केमिस्ट्री अंतिम वर्ष के छात्रों का कोडेल लाइफ साइंस में चयन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के परिसर स्थित प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) संस्थान के रसायन विज्ञान विभाग के लिए गर्व का विषय है कि एमएससी रसायन विज्ञान अंतिम वर्ष के आठ छात्रों का चयन कोडेल लाइफ साइंस में केमिस्ट (क्वालिटी कंट्रोल) के पद पर हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में प्रशांत कुमार सिंह, छाया यादव, दीक्षा मौर्य, गुड़िया रानी मौर्य, श्रुति गुप्ता, सोनू यादव, गौरव यादव एवं मोनेन्द्र यादव शामिल हैं। इन सभी छात्रों ने अपनी मेहनत, लगन एवं प्रतिभा के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य और रोजगारपरक शिक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी का परिणाम है कि यहाँ के छात्र विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में चयनित हो रहे हैं।

वहीं, रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और विभाग की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रतिफल है। विभाग विद्यार्थियों को अधिकतम रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व में भी विभाग के कई विद्यार्थी कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से विभिन्न कंपनियों में चयनित होकर संस्थान का नाम रोशन कर चुके हैं।

कमाऊ बेटे की मौत से टूटा परिवार, गांव में छाया मातम

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बीरी समसुद्दीनपुर गांव निवासी मर्चेंट नेवी कर्मी प्रवीण कुमार उपाध्याय उर्फ प्रिंस की सड़क हादसे में हुई दर्दनाक मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। शुक्रवार को जब उनका शव गांव पहुंचा तो परिजनों के करुण क्रंदन से माहौल गमगीन हो उठा। अंतिम दर्शन के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हर आंख नम दिखी और हर जुबान पर यही चर्चा रही कि परिवार का सहारा अचानक छिन गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 33 वर्षीय प्रवीण कुमार अपने मित्र अवनीश पाण्डेय के साथ कार से लखनऊ जा रहे थे। इसी दौरान फैजाबाद जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर उनकी कार सड़क किनारे खड़े टैंकर में पीछे से जा भिड़ी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान प्रवीण ने दम तोड़ दिया, जबकि उनका साथी अब भी जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है।

प्रवीण परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य थे। उनके निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पिता कमला प्रसाद उपाध्याय, माता सरिता देवी, पत्नी आकांक्षा उपाध्याय तथा दो मासूम पुत्र नैतिक और कार्तिक का रो-रोकर बुरा हाल है। वृद्ध दादा सूर्य नारायण उपाध्याय भी बार-बार बेसुध हो जा रहे हैं। युवक की असमय मौत से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

सदरुद्दीनपुर में 17 मई को निकलेगा ऐतिहासिक 'जुलूस-ए-अमारी'

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्सा ब्लॉक अंतर्गत सदरुद्दीनपुर गांव में आगामी 17 मई 2026 को ऐतिहासिक 'जुलूस-ए-अमारी' बड़े ही अकीदत और गमगीन माहौल में निकाला जाएगा। यह जुलूस हर वर्ष 29 जीकाद के मौके पर आयोजित किया जाता है और इस बार अपनी 31वीं वर्षगांठ मना रहा है। आयोजक साहबे आलम ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत रविवार सुबह 7 बजे बरगाह-ए-इमामे जुमाना में मजलिस के साथ होगी। यह जुलूस हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) और नौवें इमाम की शहादत की याद में निकाला जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल होते हैं। उन्होंने बताया कि जुलूस में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। पूरे दिन चलने वाले इस आयोजन के दौरान जगह-जगह लंगर और सबील की व्यवस्था रहेगी। बच्चों के लिए दूध, बिस्कुट, नमकीन और ठंडे पानी की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं बाहर से आने वाले लोगों के लिए खाने-पीने और ठहरने की व्यवस्था भी अमारी कमेटी के कार्यकताओं द्वारा की गई है। इस जुलूस में आजमगढ़, प्रयागराज, अकबरपुर, प्रतापगढ़, वाराणसी, सुल्तानपुर समेत जौनपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। आयोजकों ने सभी मोमिनों से अधिक से अधिक संख्या में शिरकत कर इमाम हुसैन (अ.स.) और अहले-बैत को पुरसा देने की अपील की है। जुलूस गांव की विभिन्न गलियों से गुजरते हुए शाम को संपन्न होगा। कार्यक्रम के शांतिपूर्ण संचालन और सुरक्षा व्यवस्था के लिए स्थानीय कार्यकताओं की टीमें तैनात रहेंगी।

तारगहना में संदिग्ध परिस्थितियों में युवती आग से झुलसी, हालत गंभीर

आफताब आलम

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के तारगहना गांव में गुरुवार सुबह एक युवती संदिग्ध परिस्थितियों में आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गई। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोंधी ले गए, जहां से हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव निवासी बजरंगी सोनकर की 23 वर्षीय पुत्री सीता काफी समय से बीमार चल रही थी। ग्रामीणों के मुताबिक उसकी मानसिक स्थिति भी सामान्य नहीं बताई जा रही थी। बताया जाता है कि गुरुवार सुबह अचानक उसने घर के भीतर अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। कुछ ही देर में आग की लपटें उठने लगीं, जिसे देखकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए।

ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और गंभीर रूप से झुलसी युवती को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत नाजुक बताते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। युवती का उपचार जारी है तथा पूरे मामले की जांच की जा रही

समयबद्ध एवं पारदर्शी मूल्यांकन हमारी प्राथमिकता: डॉ.योगेंद्र प्रताप सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के बाला साहेब देवरस केंद्रीय मूल्यांकन भवन में गुरुवार को सम सेमेस्टर परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य का शुभारंभ हवन-पूजन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

मूल्यांकन कार्य प्रारंभ होने से पूर्व विधिवत पूजा-अर्चना कर उत्तर पुस्तिकाओं के निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध मूल्यांकन की कामना की गई। इसके उपरांत औपचारिक रूप से मूल्यांकन कार्य प्रारंभ कराया गया।

इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक ने कहा कि विश्वविद्यालय गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर परीक्षाफल घोषित करने का प्रयास किया जाएगा। मूल्यांकन समन्वयक योगेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन की मंशा के अनुरूप मूल्यांकन कार्य को पूरी गंभीरता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ संपन्न कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सभी परीक्षकों एवं कर्मचारियों के सहयोग से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उत्तर पुस्तिकाओं का निष्पक्ष मूल्यांकन हो तथा परिणाम समय से घोषित किए जा सकें।

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी मूल्यांकन कार्य को सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर उप समन्वयक डॉ.अजय कुमार, डॉ. अनुराग मिश्र एवं डॉ. ममता सिंह, विशाल सिंह सहित अनेक शिक्षक एवं कर्मचारी संजय शर्मा, श्यामधर त्रिपाठी,मनू मिश्र ,अरविंद,मनोज कुमार, गुलाब, शैलेश , आशीष, शिवम इत्यादि उपस्थित रहे।

जगमग की रचनाएं जनसामान्य की बात करती हैं: डा.यदुवंशी

◆ 'जगमग छन्द' पुस्तक का हुआ लोकार्पण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जयंत्री प्रसाद जगमग की रचनाएं सीधे-सीधे जन सामान्य की बात करती हैं। जगमग की रचनाओं में गांव के मिट्टी जुड़ाव है। उक्त विचार नगर के जयंत्री प्रसाद जगमग के काव्य संग्रह 'जगमग छंद' के लोकार्पण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पूर्वांचल विश्वविद्यालय नागरी लिपि परिषद के अध्यक्ष डा. ब्रजेश यदुवंशी ने व्यक्त किया। उन्होंने आगे कहा कि जगमग की रचनाओं में गांव के तालाब, चौपाल और बगीचे सदैव विद्यमान रहते हैं।

की शोंधी महक और प्रकृति से सीधा जजेज कालोनी में वरिष्ठ साहित्यकार

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये राष्ट्रीय गीतकार गिरीश श्रीवास्तव गिरीश ने कहा कि जगमग लोक भाषा के कवि और लोक जीवन के चितेरे हैं। आपकी रचनाएं देश भर में विभिन्न लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की जाती हैं। साहित्यकार के.आर.के. सनेही ने कहा कि आपकी रचनाओं से लोगों को प्रेरणा मिलती है। आपके सानिध्य में रहकर युवाओं ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

अन्त में वरिष्ठ साहित्यकार जयंत्री प्रसाद जगमग ने समस्त अतिथियों का आभार प्रकट करते हुये कहा कि मेरा प्रयास रहता है कि साहित्य के माध्यम से मेरा राष्ट्र सशक्त हो। इस अवसर पर आरके सनेही, बेहोश जौनपुरी, हरि लाल यादव, दयाशंकर सिंह, श्रीकांत यादव, प्रणविजय सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

पुरुषोत्तम मास में गूंजेगा रामनाम, वाराणसी में माहभर चलेगा भव्य मानस कथा प्रेम यज्ञ

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में केसरवानी वैश्य नगर सभा एवं भगेलू साव स्मृति सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में पवित्र पुरुषोत्तम मास के अवसर पर 17 मई से 15 जून 2026 तक 'श्री रामचरित मानस मास परायण कथा प्रेम यज्ञ' का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह धार्मिक आयोजन प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे से सायं 7 बजे तक ठाकुर जी की बगिया में संपन्न होगा। कार्यक्रम में कथा व्यास परम पूज्य श्री संजय प्रभु दास जी श्रीराम कथा एवं मानस रहस्य की अमृत वर्षा करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में विवेक शंकर तिवारी उपस्थित रहेंगे, जबकि मुख्य यजमान डॉ. अनिल कुमार गुप्ता होंगे। आयोजन समिति के अनुसार यह आयोजन समाज में धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का संचार करेगा। समिति ने काशीवासियों से परिवार सहित कथा श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है। आयोजन की कमान अध्यक्ष गुलाब चंद केशरी, महामंत्री राजेश केशरी एवं कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार केशरी संभाल रहे हैं।

सांसद प्रिया सरोज ने सुनी जनसमस्याएं

आवास पर पहुंचे लोगों की शिकायतों के निस्तारण हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर की सांसद प्रिया सरोज ने आज अपने आवास पर क्षेत्र से आए लोगों एवं फरियादियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना।

इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने सड़क, बिजली, पानी, राजस्व तथा अन्य स्थानीय समस्याओं से सांसद को अवगत कराया। सांसद प्रिया सरोज ने सभी मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण उनकी प्राथमिकता है और क्षेत्रवासियों की सुविधाओं के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। जनसुनवाई के दौरान क्षेत्र के कई गणमान्य लोग एवं समर्थक भी मौजूद रहे।

ओवरचार्जिंग पर विधिक माप विज्ञान विभाग का शिकंजा

जौनपुर में 15 दुकानों और पेट्रोल पंप का आकस्मिक निरीक्षण, कई पर कार्रवाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी के निर्देश पर वरिष्ठ निरीक्षक विधिक माप विज्ञान अजय कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने जनपद में 15 दुकानों एवं एक पेट्रोल पंप का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ओवरचार्जिंग और गलत बाट-माप मिलने पर कई दुकानदारों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की गई। जांच के दौरान चौकिया स्थित मे० माँ शीतला स्वीट्स एंड कोल्डड्रिंक्स में स्प्राइट के 740 मिली पैक पर निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली पाए जाने पर कार्रवाई की गई। वहीं करंजाकला बाजार स्थित मे० काजल कोल्डड्रिंक्स स्टोर में 1 लीटर थम्प्स अप की बिक्री पर ओवरचार्जिंग मिलने पर विभाग ने विधिक कार्रवाई की। इसके अलावा धीरज किराना स्टोर, राहुल पुत्र राजेंद्र (बर्तन विक्रेता) तथा अवधेश मौर्या (खाद-बीज विक्रेता) निवासी मोलनापुर, छबीलेपुर के बांट और माप नियमानुसार सत्यापित नहीं पाए गए। इस पर विधिक माप विज्ञान अधिनियम 2009 की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई संपादित की गई।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शंकराचार्य के खिलाफ अवमानना याचिका की खारिज

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दायर अवमानना याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका शामली निवासी आशुतोष ब्रह्मचारी की ओर से दाखिल की गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि शंकराचार्य ने हाईकोर्ट से मिली अग्रिम जमानत की शर्तों और निदेर्शों का उल्लंघन किया है। इसी को आधार बनाकर अदालत से अवमानना कार्रवाई की मांग की गई थी। बताया जा रहा है कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को पॉक्सो एक्ट से जुड़े मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मिली हुई है। मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने अवमानना याचिका को निरस्त कर दिया। अदालत के इस फैसले के बाद शंकराचार्य पक्ष ने राहत जताई है। वहीं मामले को लेकर कानूनी प्रक्रिया आगे भी जारी रहने की संभावना बनी हुई है।

वाराणसी साइबर सेल का बड़ा एक्शन

ऑनलाइन ठगी गैंग का शातिर आरोपी गिरफ्तार, मोबाइल-सिम समेत कई सामान बरामद

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। कमिश्नरेट वाराणसी की थाना सिगरा पुलिस और साइबर सेल टीम को ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। संयुक्त कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक शातिर साइबर ठग को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से मोबाइल फोन, सिम कार्ड, एटीएम कार्ड समेत कई महत्वपूर्ण सामान बरामद किए हैं।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान जलादी नागराजू (38) पुत्र जलादी वीरय्या निवासी नरकोडुर, चेब्रोलु मण्डल, जनपद गुंटूर, आंध्र प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी ऑनलाइन ठगी से जुड़े नेटवर्क में सक्रिय था और विभिन्न माध्यमों से लोगों को ठगी का शिकार बनाता था।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 3 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 1 कीपैड मोबाइल, 6 सिम कार्ड, 2 एटीएम कार्ड, यस बैंक की चेकबुक, एक क्यूआर कोड कार्ड तथा ?5650 नकद बरामद किया है। इस संबंध में थाना सिगरा में मु0अ0सं0 181/2026 के तहत धारा 318(4), 319(2) बीएनएस तथा 66ऊ आईटी एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके अन्य साथियों और नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाने में लगी हुई है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार तिवारी, उपनिरीक्षक हिमांशु त्रिपाठी, उपनिरीक्षक भरत भट्ट, आरक्षी सुमित साहू, उपनिरीक्षक आलोक यादव, महिला उपनिरीक्षक दिव्या भदौरिया एवं आरक्षी अंकित गुप्ता की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

25 हजार के इनामी बदमाश को पुलिस ने दबोचा

बलिया। बलिया जिले की बांसडीह कोतवाली पुलिस ने बृहस्पतिवार की रात खरौनी गांव के समीप चोरी के दर्ज मामले से संबंधित व 25 हजार के इनामी वांछित अभियुक्त विशाल भारद्वाज को मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ तीन अन्य साथियों को गिरफ्तार किया। पुलिस की कार्रवाई से बदमाशों में खलबली मची है। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी दिनेश कुमार शुक्ल ने बताया कि बांसडीह पुलिस टीम मुखबिर की सूचना पर बड़का पोखरा हुसैनाबाद के पास चेकिंग के दौरान बदमाशों द्वारा पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायर किया गया। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही में फायरिंग के दौरान बदमाश विशाल भारद्वाज उर्फ अच्छे राजभर (23 वर्ष) निवासी सुखपुरा के बाएं पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में पता चला कि घायल बदमाश थाना बांसडीह में घर में घुसकर चोरी सहित अन्य मामले में आरोपी है। आरोपी थाना स्थानीय से 25 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित अपराधी है। अपने चार साथियों के साथ पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया। घायल बदमाश विशाल भारद्वाज उपरोक्त का इलाज सदर अस्पताल बलिया में चल रहा है।

तीन महीने से वेतन न मिलने पर सफाईकर्मियों ने किया प्रदर्शन

जहानागंज(उत्तरशक्ति)। तीन माह से बकाया मानदेय के भुगतान की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को नगर पंचायत में सफाई कर्मियों ने कार्य बहिष्कार और धरना-प्रदर्शन किया। आंदोलन के कारण क्षेत्र की सफाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई है। मुस्तफा, जुम्मन, भजन, शकील, तबरेज, कैलाश और संदीप आदि सफाई कर्मियों का कहना है कि उन्हें फरवरी से भुगतान नहीं मिला है। वर्तमान में उन्हें 422 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से मानदेय दिया जाता है, जबकि शासन द्वारा निर्धारित दर 477 रुपये प्रतिदिन है। कर्मचारियों ने नगर पंचायत प्रशासन पर दुर्व्यवहार और समस्याओं की अनदेखी का भी आरोप लगाया। कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि नगर पंचायत में 71 सफाई कर्मियों का मानदेय बनाया जाता है, जबकि वास्तव में केवल 47 कर्मचारी ही कार्य कर रहे हैं। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और बकाया भुगतान की मांग की है। धरने में शामिल कर्मियों ने बताया कि मानदेय ही उनके परिवार, बच्चों की पढ़ाई और घर खर्च का मुख्य सहारा है। समय पर भुगतान न होने से आर्थिक संकट गहरा गया है। वहीं नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी विक्रम कुमार ने कहा कि पूर्व अधिकारी के समय से वेतन लंबित था। मार्च और अप्रैल का वेतन भेज दिया गया है और कर्मचारियों के खातों में जल्द राशि पहुंच जाएगी।

रोडवेज बस ने बाइक को मारी टक्कर, 11 माह के मासूम की मौत

मेरठ (उत्तरशक्ति)। गढ़ रोड पर मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी के सामने बृहस्पतिवार दोपहर एक रोडवेज एसी बस ने बाइक को साइड से टक्कर मार दी। हादसे में लडपुरा गांव निवासी गुलफाम के साथ बाइक पर सवार होकर अल्ट्रासाउंड कराने जा रही बहन शगुफ्ता के हाथ से 11 माह का मासूम बेटा अबु बकर छूटकर सड़क पर गिर गया। सिर सड़क से टकराने के कारण मासूम की मौत हो गई। भाई बहन भी बाइक समेत सड़क पर गिरकर मामूली रूप से चोटिल हो गए। परिजनों ने पोस्टमार्टम और कानूनी कार्रवाई से इन्कार कर दिया। भावनपुर थाना क्षेत्र के लडपुरा गांव निवासी पूर्व जिला पंचायत सदस्य डब्बू प्रधान ने बताया कि उनके गांव निवासी शगुफ्ता की शादी किठौर थाना क्षेत्र के गांव कायस्थ बड्डा निवासी कासिम से हुई थी। शगुफ्ता अपने मायके आई हुई है। बृहस्पतिवार को वह अपने भाई गुलफाम के साथ गढ़ रोड स्थित केंद्र पर अल्ट्रासाउंड कराने जा रही थी।

नगर पालिका में हंगामा : नामांतरण प्रक्रिया को लेकर सभासदों ने खोला मोर्चा

पालिका कार्यालय में अनियमितता का आरोप, सभासदों ने शुरू किया विरोध प्रदर्शन

विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पालिका परिषद शाहगंज में उस समय हलचल मच गया।जब महिला सभासद सपना अग्रहरि नामांतरण प्रक्रिया में अधिशासी अधिकारी पर कई गम्भीर आरोप लगाते हुए नगर परिसर में धरने पर बैठ गयी। शुक्रवार को सभासद सपना अग्रहरि और अपने प्रतिनिधि आशुतोष अग्रहरि उर्फ डम्पी अग्रहरि के साथ नामान्तरण कार्यो में लापरवाही और अधिशासी अधिकारी प्रदीप गिरी और सीएस पर नगर के विकास कार्यो में लापरवाही और ऑफिस में सप्ताह में सिर्फ दो दिन बैठना, नगर के विकास कार्यो निरीक्षण न करना आदि का आरोप लगाते पॉलिका परिषद में ही जमीन पर धरने पर बैठ गयी।धरने की खबर फैलते ही दर्जनों से अधिक सभासद महिला सभासद के समर्थन में उतर पड़े। सपना अग्रहरि ने प्रेस प्रतिनिधियों से बातचीत में कर अधीक्षक(टीएस) पर लगाते हुए कहा की कर अधीक्षक लापरवाही से , जनता परेशान पंचवर्षीय कर निर्धारण कार्य ठप, बैनामा व दाखिल-खारिज में हो रही देरी होती है।

वही सभासद प्रतिनिधि आशुतोष अग्रहरि उर्फ डम्पी का कहना है कि कार्यालय में उनकी नियमित अनुपस्थिति के कारण कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

आरोप है कि कर अधीक्षक प्रायः सुबह 11 बजे के बाद कार्यालय पहुंचते हैं तथा बिना किसी पूर्व सूचना के बीच में ही गायब हो जाते हैं। इतना ही नहीं, वे निर्धारित समय से पहले ही घर चले जाते हैं, जिससे कार्यालयीन कार्य बाधित हो रहे हैं। नगर क्षेत्र में पंचवर्षीय कर निर्धारण का कार्य अब तक शुरू नहीं हो सका है। इसके चलते भवनों और दुकानों के स्वामित्व संबंधी वर्तमान विवरण नागरिकों को उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। पैनामा, वरासत एवं दाखिल-खारिज जैसे जरूरी मामलों में भी अत्यधिक देरी हो रही है। कर निर्धारण और स्वामित्व अभिलेख अपडेट न होने से जीएसटी पंजीकरण, संपत्ति पंजीकरण तथा अन्य सरकारी कार्यों में गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जनता ने की जांच और कार्रवाई की मांग स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मामले की जांच कर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो आम जनता और व्यापारियों की समस्याएं और बढ़ सकती हैं।

रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और नेटफ्लिक्स ने पेश किया कर्तव्य का ट्रेलर

मुंबई। धर्म निभाते हैं तो कर्म छूट जाता है, कर्म करते हैं तो धर्म छूट जाता है, कर्तव्य तक बात पहुंच ही नहीं पाती।

हर फैसले की कीमत चुकानी पड़ने वाली दुनिया में कर्तव्य फिल्म सही और गलत के बीच की उस उलझन को दिखाती है, जहां कर्तव्य और उसके नतीजे एक-दूसरे के सामने खड़े हो जाते हैं। नेटफ्लिक्स ने आज इस आने वाली क्राइम ड्रामा फिल्म का दमदार ट्रेलर जारी किया है, जिसमें सैफ अली खान मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। ट्रेलर एक ऐसी दुनिया की झलक दिखाता है जो तनाव और रहस्य से भरी हुई है। इस फिल्म में रसिका दुग्गल, संजय मिश्रा, जाकिर हुसैन, मनीष चौधरी और सौरभ द्विवेदी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, जिन्होंने अपने शानदार अभिनय से कहानी को और भी प्रभावशाली बना दिया हैं।

पुलकित के निर्देशन में बनी और गौरी खान द्वारा रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित कर्तव्य की कहानी पवन (खान) नाम के एक पुलिस अफसर के बारे में है। ड्यूटी के दौरान उसकी निगरानी में एक पत्रकार की गोली मारकर हत्या हो जाती है, जिसके बाद पवन पर सवाल उठने लगते हैं। अपने वरिष्ठ अधिकारियों के दबाव के बीच पवन हमलावर की तलाश में जुट जाता है।

यह जांच उसे सत्ता, प्रभाव और धोखे से भरी एक खतरनाक दुनिया में ले जाती है, जहाँ सच्चाई ढूंढना आसान नहीं होता।

इसी बीच उसकी निजी जिंदगी भी बिखरने लगती है। उसके भाई से जुड़े विवाद के कारण उसके परिवार को धमकियां मिलने लगती हैं। इस वजह से पवन का संघर्ष सिर्फ काम तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसे घर और नौकरी दोनों जगह मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। जैसे-जैसे मामला आगे बढ़ता है, पवन अपने कर्तव्य और परिवार के बीच फंस जाता है, जहाँ हर फैसले की एक कीमत चुकानी पड़ती है।

रोजगार देने वाले उद्यमियों का होगा सम्मान

सुरेश गांधी

वाराणसी। ग्रामीण रोजगार और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए खादी एवं ग्रामोद्योग पुरस्कार योजना शुरू कर दी है। इस योजना के तहत ऐसे उद्यमियों और ग्रामोद्योग इकाइयों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने अपने उद्योगों के माध्यम से न केवल उत्पादन और बिक्री बढ़ाई है, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराया है। योजना के तहत प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमजीपी) तथा मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अंतर्गत स्थापित इकाइयों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विभाग का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सफल उद्योगों को प्रोत्साहित करना और अन्य युवाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना है। जिला ग्रामोद्योग कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति यूपी सिंह के अनुसार पुरस्कार के लिए वही इकाइयां पात्र होंगी, जो पिछले तीन वर्षों से लगातार संचालित हो रही हों और उत्पादन, बिक्री तथा रोजगार सृजन के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रही हों। चयन प्रक्रिया के दौरान इकाइयों के कार्य, रोजगार देने की क्षमता और आर्थिक योगदान का मूल्यांकन किया जाएगा। पुरस्कार योजना के तहत प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली इकाई को 15 हजार रुपये, द्वितीय स्थान पाने वाली इकाई को 12 हजार रुपये तथा तृतीय पुरस्कार पाने वाली इकाई को 10 हजार रुपये की धनराशि प्रदान की जाएगी। विभाग का मानना है कि इससे छोटे उद्यमियों और ग्रामीण उद्योगों को नई पहचान मिलेगी तथा स्वरोजगार को भी मजबूती मिलेगी।

आवेदन के लिए विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप जारी किया गया है, जिसमें इकाई का नाम, उद्योग का प्रकार, उत्पाद का विवरण, वित्तीय स्थिति, बैंक ऋण, पिछले तीन वर्षों का उत्पादन, बिक्री और रोजगार से जुड़ी जानकारी भरनी होगी। इच्छुक उद्यमी 20 मई 2026 तक अपने आवेदन जिला ग्रामोद्योग कार्यालय टकटकपुर, वाराणसी में जमा कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों के आधार पर गठित चयन समिति द्वारा जांच और मूल्यांकन के बाद पुरस्कार के लिए अंतिम चयन किया जाएगा। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन करने वाले उद्यमियों को सम्मानित करने से अन्य युवाओं में भी उद्योग स्थापित करने की प्रेरणा बढ़ेगी। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए जिला ग्रामोद्योग कार्यालय या मोबाइल नंबर 9580503155 पर संपर्क किया जा सकता है।

करंट की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत,पिता को बचाने पहुंचा बेटा भी हादसे का शिकार, गांव में शोक

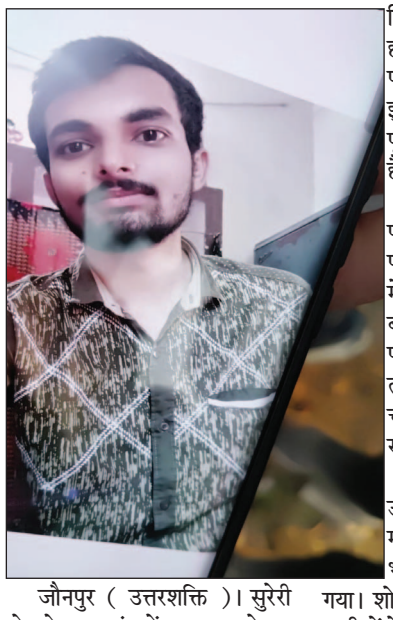

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुरेरी क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार को हुए दर्दनाक हादसे में NEET की तैयारी कर रहे 23 वर्षीय युवक हर्ष सिंह की करंट लगने से मौत हो गई, जबकि उनके पिता पंकज सिंह गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

बताया जा रहा है कि पंकज सिंह की भैंस घर के पास स्थित हरे चारे के खेत में चली गई थी। भैंस को बाहर निकालने के लिए पंकज सिंह खेत में पहुंचे, तभी खेत में फैले करंट की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से झुलस गए।

पिता को बचाने के लिए उनका पुत्र हर्ष सिंह दौड़कर मौके पर पहुंचा, लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गया। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने किसी तरह दोनों को बाहर निकाला और उपचार के लिए भदोही के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने हर्ष को मृत घोषित कर दिया। वहीं पंकज सिंह का उपचार जारी है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि खेत के ऊपर से गुजर रहा 440 वोल्ट का बिजली का तार काफी नीचे लटक रहा था। इसकी शिकायत पहले भी बिजली विभाग से की गई थी, लेकिन विभाग की लापरवाही के कारण कोई कार्रवाई नहीं हुई। खेत में पानी भरा होने की वजह से करंट फैल गया और यह हादसा हो गया।

घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है।

प्रभारी थाना अध्यक्ष Divya Prakash Singh ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं विद्युत विभाग के एसडीओ मुरलीधर मौर्या ने कहा कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

रेल उपयोगकर्ता परामर्श दात्री समिति में दुबे मनोनीत

मुंबई। पश्चिम रेलवे ने अंधेरी (पूर्व) निवासी एवं समाजसेवी रविशंकर दुबे को उपनगरीय रेल उपयोगकर्ता परामर्श दात्री समिति का सदस्य मनोनीत किया है। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र के सामाजिक एवं जनसंपर्क से जुड़े लोगों में खुशी का माहौल है।

अपनी नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रविशंकर दुबे ने कहा कि पश्चिम रेलवे ने जिस आशा और विश्वास के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उपनगरीय रेल यात्रियों की समस्याओं और सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को समिति के माध्यम से प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। दुबे की नियुक्ति पर समाजसेवी प्रमोद पाण्डेय, रामाश्रय उपाध्याय, पत्रकार शीतला प्रसाद सरोज, एड. कांतिलाल संघोई, सूरज यादव, प्रशांत चारी, आनंद पाठक, एड. सुरेशचंद तिवारी, हृदयशंकर मिश्रा, महेंद्र दुबे, विनय शुक्ला, नवीन शुक्ला और केशव प्रसाद चौबे आदि ने खुशी जाहिर की है।

इंदौर- स्कूल के समर कैंप में छात्रा से छेड़छाड़

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के एक स्कूल के समर कैंप के दौरान एक नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। 13 वर्षीय छात्रा की शिकायत के बाद गुरुवार देर रात कैंपस में हंगामे की स्थिति बन गई।राजेंद्र नगर टीआई यशवंत बड़ोले के मुताबिक, पीड़िता छात्रा अपनी छोटी बहन के साथ समर कैंप में शामिल होने आई थी। कैंप 3 मई से संचालित हो रहा है, जिसमें करीब 18 छात्राएं और 36 छात्र शामिल थे। छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग हॉस्टल बनाए गए थे।

पुलिस के अनुसार, 13 मई की शाम पानी खत्म होने पर छात्रा बोतल लेकर बॉयज हॉस्टल की ओर गई थी। आरोप है कि इसी दौरान वॉर्डन ने उसके साथ आपत्तिजनक हरकत की। सूचना मिलने पर पुलिस हॉस्टल पहुंची और महिला पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में छात्रा व स्टाफ से पूछताछ की गई। मामले में बॉयज हॉस्टल के वॉर्डन विनोद शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है। राजेंद्र नगर पुलिस ने आरोपी वॉर्डन के खिलाफ छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, देर रात जब टीम हॉस्टल पहुंची तो आरोपी वहां से फरार हो गया था। शुक्रवार सुबह उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आगे की जांच जारी है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की मौत

मिजार्पुर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी-शक्तिनगर राजमार्ग पर शुक्रवार की सुबह पट्टी कला स्थित दुर्गा जी पहाड़ के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार युवक रोशन विश्वकर्मा की मौत हो गई। जबकि पीछे बैठा साथी घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सीएचसी पहुंचाया। सोनभद्र के सरौली रॉबर्ट्सगंज निवासी रोशन विश्वकर्मा (32) अपने साथी सुंदरम के साथ वाराणसी से अपने घर लौट रहा था। जैसे ही पट्टी कला दुर्गा जी पहाड़ के पास पहुंचा कि तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। हादसे में घटनास्थल पर ही रोशन विश्वकर्मा की मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को सीएचसी पहुंचाया, जहां चिकित्सको ने मौत की पुष्टि की। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घायल सुंदरम को प्राथमिक उपचार के बाद ट्रॉमा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया। थानाध्यक्ष अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि परिजनों को दुर्घटना की सूचना दे दी गई है।

जौनपुर में प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने की समीक्षा बैठक,आपदा प्रबंधन और नगर व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा जनपद जौनपुर के दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने निरीक्षण भवन में शासन-प्रशासन, सांसद, विधायक एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर जिले की स्थिति और विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने बताया कि बीते दो दिनों में आए आंधी-तूफान का जिले में कोई व्यापक प्रभाव नहीं पड़ा है।

हालांकि कुछ स्थानों पर पेड़ गिरने से बिजली के खंभों और ट्रांसमिशन लाइनों को नुकसान पहुंचा है, जिसे विभागीय टीमों द्वारा लगातार ठीक कराया जा रहा है।

प्रशासन ने किसी भी प्रकार की जनहानि अथवा पशुहानि से इनकार किया।

प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आंधी, बारिश, तूफान एवं ओलावृष्टि के मौसम को देखते हुए सभी विभाग अलर्ट मोड में कार्य करें। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन टीम को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।उन्होंने आगामी बरसात को देखते हुए नगर क्षेत्रों में नाला-नालियों की सफाई, जल निकासी व्यवस्था, सड़कों की मरम्मत तथा साफ-सफाई के कार्य समय से पूरा कराने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि जहां भी जलभराव, कूड़ा-करकट अथवा क्षतिग्रस्त सड़कें हों, उन्हें तत्काल दुरुस्त कराया जाए ताकि जनता को किसी प्रकार की परेशानी न उठानी पड़े। बैठक में जनप्रतिनिधियों के साथ प्रशासनिक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बाइक टैक्सी वेलफेयर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखा खुला पत्र

मुंबई। महाराष्ट्र बाइक टैक्सी वेलफेयर एसोसिएशन ने हाल ही में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक खुला पत्र सौंपा। राज्य परिवहन विभाग द्वारा बाइक टैक्सी परिचालन के खिलाफ हाल ही में जारी निर्देशो के मद्देनजर संगठन ने मुख्यमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील की है, ताकि राज्यभर के लाखों बाइक टैक्सी चालकों की आजीविका सुरक्षित रह सके। अप्रैल २०२५ में महाराष्ट्र सरकार ने बाइक टैक्सी परिचालन को कानूनी मान्यता दी थी। इस फैसले से नासिक से नागपुर, छत्रपती संभाजीनगर से कोल्हापुर और ठाणे से सोलापुर तक राज्यभर के लाखों युवाओं को अपने ही शहर और गांव में सम्मानजनक रोजगार का अवसर मिला। लेकिन परिवहन विभाग के हालिया निर्देशों के बाद बाइक टैक्सी सेवाएं अचानक बंद हो गईं, जिससे हजारों परिवारों के सामने फिर से आय का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। परिवारों पर असरःबाइक टैक्सी सेवाएं बंद होने से लाखों चालक, जिनमें ज्यादातर किसान, मजदूर और छोटे व्यापारियों के परिवारों से आते हैं, अचानक आय के मुख्य स्रोत से वंचित हो गए हैं। बच्चों की स्कूल फीस, मकान का किराया, कर्ज की किश्तें और बुजुर्ग माता-पिता के इलाज जैसे रोजमर्रा के खर्च इसी कमाई पर निर्भर थे। संगठन का कहना है कि नया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना, जिसकी कीमत करीब १.२ लाख से १.८ लाख तक है, अधिकांश चालकों के लिए फिलहाल संभव नहीं है। ईवी ट्रांजिशन पर संगठन का रुखःसंगठन ने साफ कहा है कि वह सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन नीति का समर्थन करता है और चालक भी इलेक्ट्रिक बाइक अपनाने के लिए तैयार हैं। लेकिन उनकी मांग है कि यह बदलाव चरणबद्ध, व्यावहारिक और मानवीय तरीके से लागू किया जाए, ताकि हजारों परिवार आर्थिक संकट में न फंसें।

उम्रकैद के बाद अब 10 साल की सजा, विजय मिश्र परिवार पर कानून का डबल अटैक

भदोही। ज्ञानपुर विधानसभा के पूर्व विधायक बाहुबली विजय मिश्र पर कानून का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। 46 वर्ष पुराने चर्चित कचहरी हत्याकांड में उम्रकैद की सजा मिलने के महज 48 घंटे बाद अब रिश्तेदार की पैतृक संपत्ति पर अवैध कब्जा और दबाव बनाकर वसीयतनामा कराने के मामले में भी अदालत ने उन्हें दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

एमपी-एमएलए कोर्ट की अपर जिला जज पुष्पा सिंह की अदालत ने पूर्व विधायक विजय मिश्र, उनकी पत्नी पूर्व एमएलसी रामलली मिश्र और बेटे विष्णु मिश्र को 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। वहीं बहू रूपा मिश्र को चार वर्ष के साधारण कारावास की सजा दी गई। अदालत ने सभी दोषियों पर अर्थदंड भी लगाया है। कोर्ट ने बृहस्पतिवार को ही सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस फैसले के बाद पूर्वांचल की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। एक समय क्षेत्र में दबंग छवि और राजनीतिक प्रभाव के लिए चर्चित रहे विजय मिश्र अब लगातार न्यायिक फैसलों के घेरे में आते दिख रहे हैं।

गोपीगंज कोतवाली क्षेत्र के कवलापुर निवासी कृष्ण मोहन तिवारी ने अगस्त 2020 में मुकदमा दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि विजय मिश्र और उनके परिवार ने उनकी पैतृक संपत्ति पर अवैध कब्जा कर लिया और जबरन वसीयतनामा पर हस्ताक्षर कराने के लिए धमकियां दीं। मामले की विवेचना के बाद पुलिस ने आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। अदालत ने साक्ष्यों, गवाहों और दस्तावेजों का परीक्षण करने के बाद चारों आरोपियों को दोषी मानते हुए सजा सुनाई।

न्यायालय के इस फैसले को सिर्फ एक आपराधिक मामले की सजा नहीं, बल्कि न्यायिक व्यवस्था के सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है। अदालत ने साफ संकेत दिया कि राजनीतिक प्रभाव, बाहुबल और रसूख कानून से ऊपर नहीं हो सकते। कानूनी जानकारों का मानना है कि लगातार दो बड़े मामलों में सजा मिलने से विजय मिश्र की शेष कानूनी लड़ाइयां और कठिन हो सकती हैं। हालिया रिपोर्टों के अनुसार विजय मिश्र के खिलाफ हत्या, रंगदारी, जमीन कब्जा, अपहरण और धोखाधड़ी समेत 80 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज रहे हैं।

इससे पहले प्रयागराज की एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने 1980 के चर्चित कचहरी हत्याकांड में विजय मिश्र समेत अन्य दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। यह मामला प्रयागराज कचहरी परिसर में प्रकाश नारायण पांडेय की हत्या से जुड़ा था। लंबे समय तक केस की फाइल और केस डायरी गायब रहने के कारण सुनवाई प्रभावित रही, लेकिन बाद में रिकॉर्ड पुनर्निर्मित होने पर मुकदमे का ट्रायल पूरा हुआ।

InMode ने ज्वेल हॉस्पिटल, मुंबई में EvolveX पेश किया

मुंबई। वैश्विक एस्थेटिक टेक्नोलॉजी लीडर InMode ने ज्वेल हॉस्पिटल में पेटेंटेड, नॉन-इनवेसिव हैंड्स-फ्री बॉडी कॉन्टूरिंग डिवाइस EvolveX की उपलब्धता की घोषणा की है, जो एक उन्नत हैंड्स-फ्री बॉडी कॉन्टूरिंग और स्किन ट्रांसफॉर्मेशन प्लेटफॉर्म है। नॉन-इनवेसिव एस्थेटिक उपचारों को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए डिजाइन किया गया, EvolveX अत्याधुनिक रेडियोफ्रीक्वेंसी (RF) तकनीक को इलेक्ट्रिकल मसल स्टिमुलेशन के साथ जोड़ता है। यह फैट कम करने, त्वचा में कसावट लाने और मांसपेशियों को टोन करने के लिए एक व्यापक समाधान प्रदान करता है—वह भी रोगी की सुविधा और आराम को प्राथमिकता देते हुए। चूंकि बहुत कम या बिना किसी 'डाउनटाइम' वाली न्यूनतम इनवेसिव एस्थेटिक प्रक्रियाओं की मांग लगातार बढ़ रही है, Evolve बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन तकनीक में अगले विकास का प्रतिनिधित्व करता है। यह प्लेटफॉर्म एक साथ कई एस्थेटिक चिंताओं को दूर करने के लिए इंजीनियर किया गया है, जो व्यक्तिगत रोगी के लक्ष्यों के अनुरूप कस्टमाइज्ड उपचार सक्षम बनाता है। EvolveX उन व्यक्तियों के लिए डिजाइन किया गया है जो बिना सर्जरी या लंबी रिकवरी अवधि के प्रभावी एस्थेटिक सुधार चाहते हैं। इसके इंटेलिजेंट हैंड्स-फ्री एप्लिकेटर चिकित्सकों को नियंत्रित ऊर्जा प्रदान करने की अनुमति देते हैं, जबकि रोगी पूरी प्रक्रिया के दौरान सहज रहते हैं। उन्नत RF + एटर तकनीकः फैट कम करने और त्वचा को कसने के लिए रेडियोफ्रीक्वेंसी ऊर्जा को मांसपेशियों की परिभाषा बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रिकल मसल स्टिमुलेशन के साथ जोड़ा गया है। लॉन्च के बारे में बात करते हुए, ज्वेल हॉस्पिटल के डॉ. देवयानी बर्वे ने साझा किया कि EvolveX की शुरूआत परिष्कृत, तकनीक-संचालित एस्थेटिक उपचारों की बढ़ती मांग को दर्शाती है जो सुरक्षा, आराम और दृश्यमान परिणामों को प्राथमिकता देते हैं। EvolveX का जुड़ाव मुंबई के रोगियों के लिए विश्व स्तर पर प्रशंसित मेडिकल एस्थेटिक तकनीक लाने की ज्वेल हॉस्पिटल की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

पीएनजी ज्वैलर्स ने स्वर्ण स्वराज लॉन्च किया

पुणे। में स्थापित पीएनजी ज्वैलर्सने आज स्वर्णस्वराज पहल की घोषणा की। यहएक राष्ट्र प्रथम्ः अभियान है। जिसका उद्देश्य भारतीय घरों में निष्क्रिय पड़े विशाल स्वर्ण भंडार को आर्थिक प्रवाह में लाना, देश की सोने के आयात पर निर्भरता को कम करना तथा देशभर में सोने के स्वामित्व और उपभोग के अधिक जिम्मेदार एवं जागरूक तरीकों को बढ़ावा देना है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारतीयों से सोने की खरीद में संयम रखने की गई अपील को स्वीकार करते हुए राष्ट्रहित की भावना से पीएनजी ज्वेलर्स द्वारा दिया गया एक स्वैच्छिक और जिम्मेदार जवाब है। यह केवल एक व्यवसाय की प्रतिक्रिया नहींए बल्कि पिछले 194 वर्षों से भारतीय परिवारों के साथ जुड़ी एक संस्था की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस बार के ग्राहक केवल कुछ दशकों में विकसित हुआ उपभोक्ता वर्ग नहीं हैं; बल्कि वे पीढ़ियों से जुड़े उस विस्तृत पारिवारिक और सामाजिक संबंध का हिस्सा हैं, जो समय के साथ एक समृद्ध विरासत के रूप में विकसित हुआ है। ष्स्वर्ण स्वराजः पहल इसी गहरे विश्वासए साझेदारी और अटूट रिश्ते की मजबूत नींव पर आधारित है। भारतीय घरों में संग्रहित अनुमानित 25-000 टन से अधिक सोना आज भी देश की एक बड़ी संपत्ति है। लेकिन इसका एक बड़ा हिस्सा लॉकरोंए पारिवारिकतिजोरियों और विरासत में मिले आभूषणों तक ही सीमित रह गया है। सोने की चमक कम नहीं हुई हैए लेकिन देश की अर्थव्यवस्था में उसका प्रवाह रुक गया है।

इसी निष्क्रिय स्वर्ण संपदा को परिवारों और राष्ट्रहित में पुनः सक्रिय बनाकर अर्थव्यवस्था की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से पीएनजी ज्वेलर्स ष्स्वर्ण स्वराजष् पहल लेकर चला रहा है।

इस अभियान पर टिप्पणी करते हुए चेयर मैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सौरभ गाडगिल ने कहाए

ष्जब हमारे माननीय प्रधानमंत्री राष्ट्र के हित में कोई आह्वान करते हैंए तो हम उसका उत्तर केवल एक रिटेलर के रूप में नहींए बल्कि एक जिम्मेदार संस्था के रूप में देते हैं। पिछले 194 वर्षों से यह ब्रांड भारतीय परिवारों के जीवन का अभिन्न हिस्सा रहा है। विवाहए उत्सव और जीवन के अनेक महत्वपूर्ण अवसरों पर हमें उनके विश्वास और स्नेह का सहभागी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आज हम उसी भरोसे और विश्वास को एक व्यापक राष्ट्रीय उद्देश्य की दिशा में आगे बढ़ाने का आह्वान कर रहे हैं। भारत का सोना भारत की सीमाओं के भीतर ही सक्रिय और गतिशील रहना चाहिए। यह एक ऐसा सरल्ए सार्थक और प्रभावशाली कदम है जिसे हम सभी मिलकर साकार कर सकते हैं।ष्

श्र व ण्ं र व ण् ं र ा ज श कीछहप्रतिबद्धताएँ

ट्रांसफार्मर फुंकने और दंडात्मक कार्रवाई से नाराज जेई संगठन का प्रदर्शन

वाराणसी। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन, उत्तर प्रदेश के केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर शुक्रवार को जनपद शाखा वाराणसी के पदाधिकारियों और अवर अभियंताओं ने बिजली व्यवस्था से जुड़ी ज्वलंत समस्याओं को लेकर आवाज बुलंद की। संगठन ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रबंध निदेशक, पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को ज्ञापन भेजकर वितरण परिवर्तकों की बढ़ती क्षतिग्रस्ता, अवर अभियंताओं पर हो रही दंडात्मक कार्रवाइयों तथा फील्ड स्तर की अव्यवस्थाओं पर तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

ज्ञापन में संगठन ने कहा कि वर्तमान समय में पर्याप्त संसाधन, सुरक्षा उपकरण और प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराए बिना विद्युत व्यवस्था का संचालन कराया जा रहा है। इसका सीधा असर वितरण ट्रांसफार्मरों पर पड़ रहा है और लगातार उनके जलने तथा तकनीकी खराबियों की घटनाएं बढ़ रही हैं। संगठन का कहना है कि फील्ड कर्मचारियों पर कार्य का अत्यधिक दबाव है, जबकि आवश्यक तकनीकी सहयोग और सुरक्षा मानक पूरी तरह लागू नहीं किए जा रहे हैं।

संगठन ने आरोप लगाया कि अवर अभियंताओं और विद्युत कर्मचारियों के विरुद्ध बिना समुचित जांच दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। ज्ञापन में ऐसी कार्रवाइयों पर तत्काल रोक लगाने और निष्पक्ष जांच व्यवस्था लागू करने की मांग उठाई गई।

संगठन ने जले हुए ट्रांसफार्मरों की त्वरित मरम्मत के लिए पर्याप्त कार्यदायी संस्थाओं की नियुक्ति, आवश्यक सामग्री और आधुनिक टी एंड पी उपलब्ध कराने की भी मांग की। पदाधिकारियों का कहना था कि यदि मौके पर ही त्वरित मरम्मत की व्यवस्था मजबूत होगी तो उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

सुरक्षा और रिक्त पदों पर भी जोर

ज्ञापन में विद्युत उपकेंद्रों एवं लाइनों के अनुरक्षण कार्यों के लिए पर्याप्त और प्रशिक्षित मैनपावर उपलब्ध कराने, फील्ड कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराने की मांग की गई। साथ ही संगठन ने अवर अभियंताओं के रिक्त पदों को शीघ्र भरने और फील्ड में व्यावहारिक कार्य व्यवस्था लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया।

समाधान नहीं हुआ तो प्रभावित होगी उपभोक्ता सेवा

संगठन पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो बिजली व्यवस्था और उपभोक्ता सेवाएं प्रभावित होने की आशंका बनी रहेगी। उन्होंने शासन और प्रबंधन से सकारात्मक एवं व्यावहारिक निर्णय लेते हुए अभियंताओं और कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने की मांग की। इस दौरान केंद्रीय उपमहासचिव ई. दीपक गुप्ता, जनपद अध्यक्ष ई. सतीश बिंद, क्षेत्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष ई. अभिषेक मौर्य, क्षेत्रीय लेखा निरीक्षक ई. लालब्रत, जनपद सचिव ई. ज्योति भास्कर सिन्हा, ई. विशाल श्रीवास्तव, ई. पीयूष कुमार मिश्रा सहित बड़ी संख्या में अवर अभियंता एवं प्रोन्नत अभियंता उपस्थित रहे।

होंडा एनएक्स500 ई-क्लच तकनीक के साथ पेश

पटना। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अपनी मिड-साइज एडवेंचर टूरिंग मोटरसाइकिल एनएक्स500 में होंडा ई-क्लच तकनीक शामिल करने की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार यह तकनीक स्टार्ट, गियर शिफ्ट और रुकने के दौरान क्लच ऑपरेशन को इलेक्ट्रॉनिक तरीके से नियंत्रित करती है, जिससे राइडिंग अधिक आरामदायक बनती है। एनएक्स500 में 471सीसी का लिक्विड-कूल्ड पैरेलल-ट्विन इंजन दिया गया है, जो 6-स्पीड ट्रांसमिशन के साथ आता है। इसमें स्टील डायमंड फ्रेम, शोवा अपसाइड-डाउन फ्रंट सस्पेंशन, डुअल-चैनल एबीएस, 19-इंच फ्रंट और 17-इंच रियर व्हील सेटअप दिया गया है। फीचर्स के तौर पर इसमें 5.0-इंच फुल-कलर टीएफटी डिस्प्ले, होंडा रोडसिंक कनेक्टिविटी, नेविगेशन, कॉल और म्यूजिक सपोर्ट, होंडा सिलेक्टेबल टॉर्क कंट्रोल और एलईडी लाइटिंग मिलती है। होंडा एनएक्स500 ई-क्लच की बुकिंग देशभर के होंडा बिगविंग डीलरशिप्स पर शुरू हो गई है। इसकी शुरुआती कीमत 7,43,900 रुपए (एक्स-शोरूम, अखिल भारत) रखी गई है। यह मोटरसाइकिल मैट गनपाउडर ब्लैक मैटेलिक और पर्ल होराइजन व्हाइट रंगों में उपलब्ध होगी।

मेघालय 39वें राष्ट्रीय खेल 2027 से पहले एथलीट इकोसिस्टम को मजबूत कर रहा है

मुंबई। मेघालय 2027 में 39वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी की तैयारी तेज कर रहा है, राज्य सरकार ने एथलीट, कोच और राज्य खेल संघों के साथ एक प्रमुख बातचीत आयोजित की, जिसमें देश के सबसे बड़े बहु-खेल आयोजन से पहले विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे और मजबूत एथलीट समर्थन इकोसिस्टम बनाने पर जोर दिया गया। इस बातचीत का आयोजन राज्य खेल और युवा कार्य निदेशालय द्वारा शिलॉन्ग में राज्य सम्मेलन केंद्र में किया गया, जिसकी अध्यक्षता वैलाडमिकी शिल्ला, खेल और युवा कार्य मंत्री, मेघालय सरकार ने की। इस बैठक में विभिन्न खेलों के एथलीट और खेल संगठन एकत्र हुए और इसमें एथलीट कल्याण, प्रशिक्षण सहायता, प्रतिस्पर्धा का अनुभव और राज्य में दीर्घकालिक खेल विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया।

संग्रह को संबोधित करते हुए, श्री वैलाडमिकी शिल्ला ने कहा, ₹राष्ट्रीय खेल हर किसी के लिए एक बड़ा अवसर है और एक सफल राष्ट्रीय खेलों के लिए हम सभी को एक टीम के रूप में मिलकर काम करना होगा।₹ खेल उत्कृष्टता के साथ खिलाड़ियों की कल्याण की आवश्यकता पर बल देते हुए, माननीय मंत्री ने एक खिलाड़ी के संदेश को याद किया जिन्होंने बेहतर पोषण समर्थन और सुलभ शिकायत निवारण तंत्र की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। हम जो भी निर्णय लें, जो भी नीतियाँ लाएँ, युवाओं को ध्यान में रखना बहुत महत्वपूर्ण है,₹ उन्होंने कहा। मेघालय में खेलों के लिए बढ़ती निवेश पर प्रकाश डालते हुए, श्रवैलाडमिकी ने जानकारी दी कि सात साल पहले लगभग ?40 करोड़ का खेल विभाग का वार्षिक बजट, इस वर्ष 844 करोड़ तक बढ़ गया है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि सरकार जल्द ही टीम तैयारी कार्यक्रम के तहत खिलाड़ियों के आवास, आहार और पोषण के साथ-साथ प्रतियोगिता अनुभव के लिए ?23.37 करोड़ के अगले चरण की राशि घोषित करेगी.

एचसीएल जिगसॉ के 7वें संस्करण के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

मुंबई। भारत में बदलती अर्थव्यवस्था के साथ नई पीढ़ी को तैयार करने के लक्ष्य के तहत एचसीएल जिगसॉ अपने 7वें संस्करण के साथ वापस आ गया है। आज से इस प्रमुख छात्र इनोवेशन प्लेटफॉर्म के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। यह प्लेटफॉर्म कक्षा 6 से 9 के छात्रों को प्रोजेक्ट-आधारित सीखने, टीम में काम करने और असली समस्याओं को हल करने का मौका देता है।

इस बार 12 लाख रुपये के पुरस्कार के साथ प्रतियोगिता का फॉर्मेट भी बदला गया है। अब यह केवल क्विज नहीं है, बल्कि इसमें छात्र टीम बनाकर वास्तविक समस्याओं की पहचान करेंगे, उनके समाधान तैयार करेंगे, मॉडल बनाएंगे और नेशनल फिनाले में अपने आइडिया प्रस्तुत करेंगे।

शुरूआत से अब तक एचसीएल जिगसॉ देशभर के 8,200 से ज्यादा स्कूलों के 5 लाख से अधिक छात्रों तक पहुंच चुका है। इस साल का संस्करण रचनात्मक सोच, समस्या सुलझाने की क्षमता, टीमवर्क और प्रैक्टिकल सीखने पर ज्यादा ध्यान देता है। एचसीएल जिगसॉ सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह छात्रों के लिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जहां वे सीख सकते हैं, नए आइडिया बना सकते हैं और इनोवेशन की दुनिया को समझ सकते हैं। चुने गए छात्रों को एचसीएल इनोवेशन लैब्स और नई तकनीकों से जुड़ने का अवसर भी मिलेगा।

झारखंड में दर्दनाक हादसा, ट्रक की चपेट में आने से 3 बाइक सवारों की मौत

नेशनल डेस्क : झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में शुक्रवार शाम एक दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, पीड़ित मोटरसाइकिल पर यात्रा कर रहे थे, तभी चक्रधरपुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत चक्रधरपुर-सोनुआ सड़क पर एक निजी स्कूल के पास एक बस को ओवरटेक करने की कोशिश करते समय मोटरसाइकिल चालक ने कथित तौर पर वाहन से नियंत्रण खो दिया। न्होंने बताया कि मोटरसाइकिल तेज रफ्तार बस के नीचे आ गयी, जिससे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को चक्रधरपुर स्थित उपमंडल अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

ईरान से तेल खरदीने वाली कंपनियों पर डोनाल्ड ट्रप का बड़ा फैसला

नेशनल डेस्क : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को बड़ा बयान देते हुए कहा कि वह अगले कुछ दिनों में उन चीनी तेल कंपनियों पर लगे प्रतिबंध हटाने को लेकर फैसला ले सकते हैं, जो ईरान से तेल खरीद रही हैं। ट्रंप के इस बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय राजनीति और तेल बाजार में हलचल तेज हो गई है। माना जा रहा है कि अगर अमेरिका ये प्रतिबंध हटाता है, तो चीन और ईरान के बीच तेल कारोबार को बड़ी राहत मिल सकती है।

किसी भी पीपल के पेड़ को काटा न जाए, बल्कि उसका पुनर्स्थापन किया जाए

मुंबई। सांगली जिले के खानापुर तालुका में एक अलग ही तरह का, सैन्य अनुशासन जैसा हरित आंदोलन शुरू हुआ है। पूरे सांगली जिले में इस अनोखी पहल की चर्चा देखने को मिल रही है। जिले के युवा विधायक सुहास बाबर के नेतृत्व में यह हरित क्रांति आगे बढ़ रही है। इधर-उधर उग आए पीपल के पेड़ों को काटने के बजाय उनका पुनर्स्थापन करने की सोच से शुरू हुआ यह अभियान अब सांगली के हजारों नागरिकों की भागीदारी वाली ट्री आर्मी तक पहुंच चुका है, ऐसा विधायक सुहास बाबर ने बताया।

स्वर्गीय विधायक अनिलभाऊ बाबर पश्चिम महाराष्ट्र के ऐसे नेता थे, जिनका मिट्टी से गहरा जुड़ाव था। सांगली के ग्रामीण क्षेत्र में टेंभू योजना के जनक के रूप में उनका नाम आदर से लिया जाता है। उनके निधन के बाद राजनीतिक विरासत संभालने वाले सुहास बाबर ने 2024 के विधानसभा चुनाव में 78,178 के अंतर से जीत हासिल की। उसी समय उन्होंने तय किया कि अपने कार्यकाल में वे अपने मतों की संख्या के बराबर पेड़ लगाएंगे। इस बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि एक पीपल के पेड़ के पुनर्वसन से मिली प्रेरणा आज खानापुर-आटपाडी क्षेत्र में एक बड़े जन-आंदोलन का रूप लेकर पर्यावरण में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में काम कर रही है।

सोशल मीडिया पर पीपल की कहानी साझा करने के बाद इसे जबरदस्त प्रतिसाद मिला, जिससे हजारों लोग इस अभियान से जुड़ गए और रोज नए लोग जुड़ते जा रहे हैं। लोग स्वेच्छा से जमीन, पानी, पौधे और श्रमदान देने के लिए आगे आ रहे हैं। ट्री आर्मी नाम भी लोगों ने ही दिया है, ऐसा विधायक सुहास बाबर ने बताया। उन्होंने यह भी बताया कि अपनी माताजी के श्राद्ध दिवस पर उन्होंने 5,300 आम के पौधे लगाए। वहीं, विटा नगर परिषद के एक नगरसेवक ने इस पहल के समर्थन में चार साल पुराने 52 पेड़ भेंट किए, जबकि आलसंद ग्राम पंचायत ने 500 पौधों का रोपण किया है। उन्होंने बताया की सांगली जिला प्रशासन और वन विभाग के सहयोग से एक एकड़ भूमि पर जापानी पद्धति का मियावाकी जंगल विकसित करने का भी निर्णय लिया गया है। चरागाह भूमि और सड़कों के किनारे महाराष्ट्र की मिट्टी में स्वाभाविक रूप से उगने वाले पेड़ों को लगाने का अभियान भी शुरू किया गया है। पहले जिले में कई जगहों पर सड़कों के किनारे ‖ग्रीन टनल‖ हुआ करते थे, जो खासकर दोपहिया चालकों को छाया और ठंडक देते थे, लेकिन सड़क चौड़ीकरण के कारण ये खत्म हो गए। अब इन्हें फिर से पुनर्जीवित करने का लक्ष्य रखा गया है।

हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में विहंगम योग द्वारा 1001 कुंडीय वैदिक महायज्ञ का आयोजन

नवी मुंबई। विहंगम योग संस्थान के तत्वावधान में आगामी रविवार 17 मई को शाम 4 से 8 बजे तक खारघर के सेक्टर 29 स्थित गावदेवी मंदिर प्रांगण में एक भव्य आध्यात्मिक समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस पावन अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में 1001 कुंडीय वैदिक महायज्ञ संपन्न होगा। 17 मई से ही 'अधिक मास' (पुरुषोत्तम मास) का शुभारंभ हो रहा है। भारतीय परंपरा में इस कालखंड के दौरान धार्मिक अनुष्ठान, ध्यान-साधना और यज्ञ-हवन करने का विशेष आध्यात्मिक महत्व माना गया है। इसी शुभ संयोग को ध्यान में रखते हुए इस महायज्ञ का आयोजन किया गया है। यज्ञ के लिए आवश्यक समस्त पूजन सामग्री की व्यवस्था आयोजन स्थल पर ही की गई है, अतः श्रद्धालुओं को अपने साथ कोई भी सामग्री लाने की आवश्यकता नहीं है। इस कार्यक्रम के दौरान वैदिक काल से प्रचलित मनःशांति की प्राचीन ध्यान-साधना की विधि सिखाई जाएगी। साथ ही, उपस्थित भक्तों को विहंगम योग के संतप्रवर श्री विज्ञानदेव जी महाराज एवं सद्गुरु श्री स्वतंत्रदेव जी महाराज के दर्शन और उनकी अमृतवाणी श्रवण करने का दुर्लभ सौभाग्य प्राप्त होगा। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भोज (महाप्रसाद) के साथ होगा। यह आयोजन पूर्णतः निःशुल्क है और सभी के लिए खुला है। आयोजकों ने सभी से अपील की है कि अधिक मास के इस पावन अवसर का लाभ उठाकर अपने भौतिक एवं आध्यात्मिक उत्कर्ष का मार्ग प्रशस्त करें। यज्ञ हमारी संस्कृति का प्राण है। हमारे देश में प्राचीन काल से ही पुत्रकामेष्टि, दशाश्वमेध, अश्वमेध, राजसूय और वाजपेय जैसे अनेक यज्ञ संपन्न होते रहे हैं। मान्यता है कि यज्ञ के माध्यम से मनोकामनाओं की पूर्ति, उत्तम स्वास्थ्य, पर्यावरण की शुद्धि और समय पर वर्षा जैसे सकारात्मक परिणाम प्राप्त होते हैं।

इंडक्शन कुकिंग की बढ़ती डिमांड से चमका स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड का कारोबार

मुंबई। भारत की प्रमुख किचन और होम अप्लायंसेज कंपनियों में शामिल स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड ने 31 मार्च 2026 को समाप्त तिमाही और वित्त वर्ष के नतीजों में मजबूत ग्रोथ दर्ज की। कंपनी के इंडक्शन और ऊर्जा-कुशल उपकरणों की मांग में तेज बढ़ोतरी देखने को मिली, जिसका मुख्य कारण उपभोक्ताओं की बदलती कुकिंग पसंद और वैकल्पिक कुकिंग समाधानों की बढ़ती स्वीकार्यता रही। पनी की इंडक्शन कुकटॉप कैटेगरी Q4 FY26 में सबसे बड़ा ग्रोथ ड्राइवर बनकर उभरी। इस कैटेगरी में साल-दर-साल 89.4% की वैल्यू ग्रोथ दर्ज की गई, जो वॉल्यूम ग्रोथ से भी कहीं अधिक रही। यह प्रदर्शन ऊर्जा-कुशल कुकिंग उपकरणों की बढ़ती लोकप्रियता को दशार्ता है, खासकर ऐसे समय में जब लोग ईंधन बचत, सुविधा और मॉडर्न किचन सॉल्यूशंस को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड मैनेजिंग डायरेक्टर राजेंद्र गांधी के ने कहा, हाल के वैश्विक ऊर्जा और ईंधन संबंधी संकटों ने ऊर्जा-सुरक्षित भविष्य की आवश्यकता को और मजबूत किया है तथा ऊर्जा-कुशल वैकल्पिक कुकिंग समाधानों की ओर बदलाव को तेज किया है। हमें विश्वास है कि आने वाले वर्षों में यह परिवर्तन उपभोक्ताओं के व्यवहार और किचन अप्लायंसेज की मांग को नई दिशा देगा। उन्होंने आगे कहा, स्टोवक्राफ्ट में हम इस बदलाव के लिए पहले से तैयारी कर रहे हैं। हमने अपने इंडक्शन और स्मार्ट अप्लायंस पोर्टफोलियो को मजबूत किया है, सोर्सिंग क्षमता बढ़ाई है, सप्लाई चेन को बेहतर बनाया है और मेट्रो शहरों के साथ-साथ उभरते बाजारों में अपनी पहुंच का विस्तार किया है। इंडक्शन कुकटॉप श्रेणी में मिली तेज वृद्धि इसी बदलती मांग का संकेत है। हमारा उद्देश्य भारतीय परिवारों तक ऊर्जा-कुशल और इनोवेटिव कुकिंग सॉल्यूशंस को और अधिक सुलभ बनाना है।

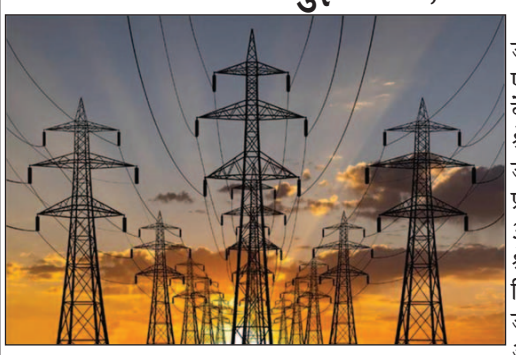

हिमाचल में प्राइवेट अस्पताल से लेकर होटल-मॉल और कोचिंग सैंटरों की बिजली हुई महंगी, 1 रुपए प्रति यूनिट लगेगा सैस

शिमला (ब्यूरो): बहुउद्देशीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा विभाग ने प्रदेश में राजस्व बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। जारी ताजा अधिसूचना के अनुसार प्रदेश की 10 प्रमुख व्यावसायिक श्रेणियों को अब बिजली बिल के साथ अतिरिक्त उपकर (सैस) चुकाना होगा। सरकार ने हिमाचल प्रदेश इलैक्ट्रीसिटी (ड्यूटी) एक्ट, 2009 की धारा 3-बी के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए नई श्रेणियों को दायरे में शामिल किया है। अब निम्नलिखित क्षेत्रों को 1 रुपए प्रति यूनिट की दर से उपकर देना होगा। इनमें बिजनैस हाऊस, प्राइवेट ऑफिस, प्राइवेट अस्पताल पैट्रोल पंप, होटल और मॉल्स, प्राइवेट नर्सिंग होम, प्राइवेट रिसर्च संस्थान, प्राइवेट कोचिंग संस्थान, शॉपिंग मॉल्स, मल्टीप्लैक्स शामिल हैं। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय जनहित में लिया गया है और इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड लिमिटेड को इन निर्धारित दरों पर उपभोक्ताओं से उपकर वसूलने के आदेश दे दिए गए हैं। होटल और निजी अस्पतालों पर अतिरिक्त भार पड़ने से रूम रैंट और इलाज के खर्चों में बढ़ौतरी की संभावना जताई जा रही है। प्राइवेट कोचिंग सैंटर और सिनेमाघरों (मल्टीप्लैक्स) में भी संचालन लागत बढ़ेगी, जिसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ सकता है। यह आदेश सचिव (एमपीपी एवं पावर) राकेश कंवर द्वारा जारी किया गया है। आने वाले दिनों में व्यावसायिक संगठनों की इस पर प्रतिक्रिया देखना दिलचस्प होगा।